

डा. लीलावती कुमारी

गहन अंतरिक्ष परावरतन



हर्यु चारुनंद

गहन अंतरेक्ष परावर्तेन

रैड गैलैक्सी बुक1

ड्रयु बार्नेट

कॉपीराइट© 2018 ड्रयु बार्नेट, सर्वाधिकार सुरक्षित

हिन्दी अनुवादकर्ता - सविता सोनी

इस दस्तावेज़ के किसी भी भाग का इलेक्ट्रॉनिक या मुद्रित प्रारूप में, पुनःउत्पादन, प्रेषण अथवा नकल करना किसी भी प्रकार से वैध नहीं है। इस प्रकाशन का संग्रहण पूर्णतया वर्जित है, तथा इस दस्तावेज़ के संचयन की अनुमति नहीं है जब तक कि प्रकाशक ने ऐसा करने की अनुमति ना दी हो।

વિષય-સૂચી

[પ્રસ્તાવના](#)

[અધ્યાય 1](#)

[અધ્યાય 2](#)

[અધ્યાય 3](#)

[અધ્યાય 4](#)

[અધ્યાય 5](#)

[અધ્યાય 6](#)

[અધ્યાય 7](#)

[ઉપસંહાર](#)

प्रस्तावना:

मानव जाति उन्नति की पराकाष्ठा पर पहुँच चुकी थी। उसने अंतरिक्ष में उड़ाने भरली थीं, अन्य लोकों में नई बस्तियाँ बसाली थीं तथा संपूर्ण आकाश गंगा की खोजबीन कर ली थी, उसने उन ग्रहों पर बस्तियाँ बना लीं जहाँ बसा जा सकता था, और जो ग्रह बसने लायक नहीं थे वहाँ खदानें स्थापित कर दी गईं तथा साधारणतया वे सब आपस में शांतिपूर्वक रहते थे।

उन्होंने उन प्रश्नों का उत्तर दे दिया था जो इस संबंध में थे कि क्या संपूर्ण आकाश गंगा में केवल वही बुद्धिमान प्राणी हैं, और अब वे अन्य प्रश्नों के उत्तर की खोज कर रहे थे।

उत्तरों की इस खोज में कुछ वैज्ञानिकों को आकाश गंगा के केन्द्र में स्थित कुछ अनोखे कणों का पता चला। पहले उन वैज्ञानिकों ने सोचा कि वे उनमें से कुछ कणों को ईकट्ठा करके जाँच के लिए पृथ्वी पर ले जाएंगे लेकिन फिर उन्हें पता चला कि आकाश गंगा के केन्द्र से दूर ले जाते ही वे कण गायब हो जाते हैं।

वे वैज्ञानिक जो जाँच करना चाहते थे, वह की जा सके उसके लिए, उस जगह के पास एक स्पेस स्टेशन का निर्माण किया गया जहाँ वे कण पाये गये थे। उस स्पेस स्टेशन का नाम उन दो वैज्ञानिकों के नाम पर, साहइद् बे स्पेस स्टेशन, रखा गया जिन्होंने उन कणों का पता लगाया था।

उस संभावित ऊर्जा को जमा करके काम में लेने के प्रयास में उन वैज्ञानिकों ने खुद को एक अद्भुत सृजन बिन्दु पर पाया, उन्होंने पाया कि जिस ऊर्जा का उन्होंने खोजा है उसने एक ब्लैक होल का रूप लेना शुरू कर दिया।

यह सोचते हुए कि यह ब्लैक होल अनंत व विशालकाय बन जाएगा और अंततः संपूर्ण ब्रह्माण्ड को निगल लेगा, उन वैज्ञानिकों ने उन कणों को शक्ति देने वाली ऊर्जा का ध्रुवीकरण पलट दिया।

उनके ऐसा करने से ब्लैक होल बनना बंद हो गया, और वे इस बात की खुशियाँ मनाने लगे कि उन्होंने संपूर्ण आकाश गंगा को नष्ट होने से बचा लिया।

उनको मिली यह राहत बस थोड़ी ही देर की थी, क्योंकि उन कणों को दी जा रही इस परिवर्तित ऊर्जा और नवरचित विद्युत आवेश में ज़बरदस्त प्रतिक्रिया हुई, जिससे एक अथाह ऊर्जा पुंज उत्पन्न हो गया जो अनंत था, उसने एक ऐसा अवरोध उत्पन्न किया जिसने आकाश गंगा को दो भागों में विभक्त कर दिया।

उस अवरोध की उत्पत्ति के समय अंतरिक्ष में पहले से विद्यमान चीज़ें अचानक से रुक गईं, चीज़ों की गतिमानता के आवेग ने उनका हाल तय किया। धीमी गति से चलने वाली चीज़ें थमकर निस्तेज हो गईं, और अवरोध से जुड़ गईं, तेज़ी से चलने वाली चीज़ों का अपने आवेग के कारण, वे जिस तरफ आगे बढ़ रही थीं उस अनुसार, अंत हो गया। वह अवरोध जिन ग्रहों के आर-पार होकर गुजरा, उन ग्रहों के दो टुकड़े हो गये जिनमें से एक टुकड़ा अपने आवेग के कारण अलग हो गया और निरंतर इस बात से बेखबर

अपने मूल प्रक्षेप पथ पर चलता रहा कि उसका शेष हिस्सा अवरोध से जुड़ गया था। कुछ ग्रह अपने मुख्य सितारे के टुकड़े हो जाने के बाद अंतरिक्ष में तेजी से घूमने लगे, क्योंकि उनका गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र समाप्त हो गया था। ब्रह्माण्ड में उस अवरोध के निकट के तारा मण्डलों में से बहुत कम तारा मण्डल ऐसे बचे जिनके ग्रह और सितारे अपनी प्राकृतिक कक्षा में चल रहे थे, और वहाँ बसे प्राणी वहीं पर थे।

जब वह अवरोध पहली बार दृष्टिगत हुआ, तो वो एक ऐसे दर्पण की तरह दिखाई देता था जो परावर्ती था, समस्त प्रकाश को रीफ्लेक्ट करने वाला। उससे सभी संकेत भी रीफ्लेक्ट हो रहे थे, जिसका मतलब था कि उस अवरोध के दोनों तरफ के लोग किसी भी तरह से एक दूसरे से बातचीत या संपर्क नहीं कर सकते थे।

उस अवरोध के दोनों तरफ के लोगों ने एक-दूसरे को संदेश भेजने की कोशिशें की, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। उस अवरोध को नष्ट करने या उसे शक्तिविहीन करने के लिए कई परीक्षण किये गये लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। कुछ लोगों को तो यह विश्वास ही नहीं था कि अवरोध के दूसरी तरफ कुछ विद्यमान है, क्योंकि उस दर्पण के आर-पार कुछ भी नहीं जा रहा था।

सभी लोग अपने प्रियजनों के खो जाने से गमगीन थे, चाहे वे उस अवरोध से छिन्न-भिन्न हुए ग्रहों के लोग हों या फिर उन ग्रहों के निवासी जो अवरोध की उत्पत्ति से अन्यथा प्रभावित हुए थे।

समय के साथ-साथ जीवन चलता गया और लोग अपना जीवन उतनी अच्छी तरह से बिताने लगे जितना वे बिता सकते थे। जो हुआ था, उसके किस्से कई पीढ़ियों तक सुनाये जाते रहे, उस घटनाक्रम के आधिकारिक रिकॉर्ड अभी तक संभाल कर रखे गए हैं।

कुछ ही समय पश्चात वह परावर्ती सतह थोड़ी-थोड़ी पारभासी होने लगी। हांलाकि वह इतनी पारभासी नहीं थी कि दोनों ही तरफ के लोगों को दूसरी तरफ साफ-साफ दिख सके, लेकिन कभी-कभी धुंधली आकृतियाँ नज़र आ जाया करती थी, चूंकि वह अवरोध अंतरिक्ष के रिक्त हिस्से में विद्यमान था, इसलिए अधिकांश समय दूसरी तरफ अंधेरा ही नज़र आता था।

लेकिन जैसा कि हम सभी जानते हैं, कुछ भी अनंत काल तक नहीं रहता और समय सारे घावों को भर देता है....

अध्याय 1

केट जब गलियारे में पहुँची तो बत्तियाँ जल उठी, हल्की सी लाल रोशनी धीमे-धीमे उसकी आँखों में जाने लगी। उर्जा बचाने के उपायों के तहत बत्तियाँ तभी जलती थीं जब वहाँ कोई हलचल होती थी, लेकिन उन उपायों में एक कमी यह थी कि स्पेस स्टेशन के कुछ हिस्सों में, उस जगह से आपके चले जाने से पहले बत्तियाँ कभी भी पूरी तरह प्रकाशमान नहीं हो पाती थीं, जिसके फलस्वरूप लोग अधिकतर कम रोशनी में ही आया-जाया करते थे।

वह अपने यान में वापस जाने के लिए आतुर थी जहाँ बत्तियों की रोशनी प्राकृतिक रोशनी के तरंगों के जैसी थी, लेकिन वापस रवाना होने से पहले उसे सामान पहुँचाने का अपना काम पूरा करना था। अवरोध दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) स्टेशन तक सामान पहुँचाने का काम आसान था और अच्छी कमाई का जरिया था, विशेषकर तब, जबकि केवल थोड़े से लोग उस जगह जाना चाहते थे जहाँ से उस विलक्षणता पर निगरानी रखी जाती थी।

वह स्टेशन विलक्षणता के स्त्रोत से कुछ सौ किलोमीटर ही दूर स्थित था जहाँ कभी एक विज्ञान स्टेशन हुआ करता था। केट उस अवरोध और विलक्षणता की छवि को देख सदैव अचंभित होती थी, लेकिन उसकी इन भावनाओं पर उस जानकारी से हमेशा आघात पहुँचता था जिसमें उसे पता लगा था कि किस प्रकार एक घटनाक्रम से उत्पन्न उस अवरोध ने करोड़ों लोगों को मार दिया था और अनगिनत ग्रहों व सितारों को तबाह कर दिया था।

वह अवरोध कभी तो एक दर्पण जैसा दिखता था और कभी वह एक ऐसा अस्पष्ट माध्यम बन जाता था जिसमें दूसरी तरफ के दृश्य धुंधले से दिखने लगते थे, हालांकि जब केट वहाँ पहुँची थी तो वह अस्पष्ट माध्यम के रूप में नज़र आ रहा था।

रूप के इस परिवर्तन के बारे में ही उस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की सबसे ज्यादा रुचि थी, क्योंकि वह अवरोध पिछले कुछ सालों में, पिछले कुछ हज़ार वर्षों की तुलना में ज़्यादा बार रूप बदल रहा था। वहाँ काम कर रहे वैज्ञानिक उस अवरोध का अध्ययन भी कर रहे थे, और यह भी पता लगाने का प्रयास कर रहे थे कि किस प्रकार उसे शक्तिविहीन किया जा सकता है या फिर कम से कम उसके आर-पार जाया जा सकता है। अवरोध की उत्पत्ति के समय पृथ्वी के महान् वैज्ञानिकों में से एक ने अनुमान लगाया था कि यह अवरोध अंततः अपने आप लुप्त हो जाएगा, जब इसकी ऊर्जा समाप्त हो जाएगी, लेकिन दो हज़ार साल बीत जाने के बाद भी, लोग प्रतीक्षा ही कर रहे थे।

उस अवरोध के उत्पन्न होने से लेकर अब तक दूसरी तरफ के लोगों से कोई संपर्क नहीं हुआ था, इसलिए ये मालूम नहीं था कि दूसरी तरफ के लोग जिंदा भी हैं या नहीं। अवरोध बनने से पहले आकाश-गंगा के उस हिस्से में बसने योग्य ग्रह थे, लेकिन किसी भी तरह का कोई भी संपर्क नहीं होने से और यह भी मालूम न होने से कि अपनी कक्षा

(ओरांबेट) के कारण कौन-कौन से ग्रह अवरोध से टकरा गये थे, यह जानने का कोई रास्ता नहीं था कि किन ग्रहों पर अब भी लोग बसे हुए हैं। मानव जाति ने जीवन के अंत की उस दिल दहला देने वाली हानि का दुःख मनाया, लेकिन समय के साथ-साथ लोग सामान्य जीवन बिताने लगे और अपने परिवार के उन सदस्यों को भूल गये जो शायद अब भी जीवित थे।

वह मूल विज्ञान स्टेशन जहाँ उस विलक्षणता ने जन्म लिया था अब भी उस अवरोध से चिपका हुआ था, बहुत कम लोगों उसके भीतर जाना चाहते थे इसलिए वह जीर्णोद्धार में पहुँच गया और ढाँचे पर जहाँ उसका मूल नाम “साहइद् बे स्पेस स्टेशन” था वहाँ केवल “द बे स्पेस स्टेशन” रह गया, ढाँचे के जिस हिस्से पर उसके नाम का बाकी हिस्सा था वहाँ अब एक छेद हो गया था।

उस अवरोध के उत्पन्न होने से लेकर अब तक बहुत से लोगों ने इस बारे में अलग-अलग अनुमान लगाये थे कि दूसरी तरफ वाले लोगों का क्या हुआ, क्योंकि जब वो बना था तब उसकी सतह अत्यंत परावर्ती थी।

क्या वहाँ अब भी लोग जीवित थे? अवरोध के उस पार जीवन कैसा होता होगा? अगर यह अवरोध कभी खत्म हो गया तो जीवन कैसा होगा?

वह दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के रीसिविंग खण्ड के पास पहुँची, एक भूतपूर्व भव्य गैलैरी जिसने पूर्व में अच्छे दिन देखे थे। उस अवरोध को उत्पन्न हुए बहुत समय हो गया था शुरु में जिससे दूर रहने का दौर था, फिर रोमांच के शौकीन उस विलक्षणता को देखने आने लगे, फिर धनवान लोग छुट्टियाँ मनाने आने लगे, फिर सामान्य जन आने लगे और फिर अंत में, जब लोग अपना जीवन सामान्यतया बिताने लगे तब, उस पर निगरानी रखने और उसे देखने के लिए वहाँ एक विज्ञान स्टेशन बनाया गया।

उस स्टेशन पर नियुक्त किये गये वैज्ञानिक दल को शुरु में तो वहाँ उपलब्ध सारी जगह बहुत पसंद आई, जो कि किसी स्टेशन पर सामान्यतया मिलने वाली जगह से ज्यादा खाली जगह थी, लेकिन जैसा कि सभी चीज़ों के साथ होता है, उस जगह की नवीनता का आकर्षण खत्म हो गया। ठहरने के लिए एक भव्य स्थान की वो खाली जगह इस बात की याद दिलाती थी कि वे एक ऐसे पर्यटन स्थल पर ठहरे हुए हैं जो उस स्थान के बहुत करीब है जहाँ ब्रह्माण्ड के रेकॉर्ड्स के इतिहास की सबसे भीषणतम घटना घटी थी।

वह एक मानवरहित कंसोल (ऐसी ईकाई जहाँ यंत्र उपकरण आदि होते हैं) पर गई और कॉल (बुलाने का) बटन दबाया। वो यहाँ इतनी बार आ चुकी थी कि उसे पता था कि अपना सामान लेने के लिए अनमने वैज्ञानिकों के आने का इंतजार करने की जगह ऐसा करना उचित था।

“कहिए?” इंटरकाम से एक भारी-भरकम आवाज आई।

“सामान (डिलीवरी) है” उसने जवाब दिया।

“अभी आता हूँ” उधर से आवाज आई।

खुशाकेस्मती से, शायद इस डिलीवरी का काम जल्दी ही और शांति से पूरा हो जायेगा ताकि वह वापस उस जगह लौट सकेगी जहाँ वास्तव में अत्यंत उत्साह और जीवंतता है। किसी को यहाँ तक आने में कुछ मिनटों का समय लगेगा, यह सोचते हुए वह स्क्रीन पर दिख रहे दृश्य को निहारने लगी।

एक आदमी लम्बे-लम्बे डग भरता हुआ आया, उसकी पोशाक साधारण सी थी और उसके भूरे रंग के बाल बिखरे हुए थे जैसे कि सामान्यतया होते थे। "बे एसएस में पुनः स्वागत है!" जानी ने मुस्कराते हुए कहा, स्पष्ट था कि वह उसे देखकर खुश हो रहा था। "आज तो लग रहा है कि तुम्हें यहाँ बहुत खुशी हो रही है। क्या अंततः तुम्हारे कम्प्यूटर ने कुछ ढूँढ लिया है?" केट ने पूछा, यह याद करते हुए कि पिछली बार जानी इस बात की शिकायत कर रहा था कि उसकी गर्लफ्रेंड को उससे मिलने आने के लिए छुट्टी नहीं मिल सकी थी।

दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) परियोजना का उप-प्रभारी होने का मतलब था कि अपनी छः महीने की नियुक्ति का समय पूरा होने से पहले वह वहाँ से जा नहीं सकता था और थोड़ी बहुत बस्ती से भी अत्यंत दूरी होने के कारण कुछ ही लोग किसी से मिलने के लिए इतनी दूर यहाँ आना चाहते थे, जब तक कि कोई बहुत ही ज्यादा समर्पित ना हो। "डैरल ने अभी-अभी मनोरंजन का अंतिम संचार प्राप्त किया ही है", उसने कहा। "उस विलक्षणता से भेजे जाने वाले व्यवधान के कारण डाटा प्रवाह बार-बार टूट रहा था, लेकिन फिर वो उतनी देर के लिए रुक गया कि हम संचारण पूरा कर सकें।"

आकाशगंगा के केन्द्र के निकट होते हुए भी, अवरोध के द्वारा सारे निकटतम ग्रह या तो नष्ट हो गये या फिर बसने योग्य नहीं बचे, ऐसी स्थिति में डाटा संचारण जैसा सरल काम भी हमेशा बहुत ही धीरे-धीरे संपन्न होता था।

उसने सोचा कि शायद उसकी गर्लफ्रेंड और उसके बीच स्थिति भी सुधर गई होगी, लेकिन उसने इस बारे में पूछना उचित नहीं समझा यह सोच कर कि शायद अब भी वह एक कुष्टकारी विषय ही, विशेषकर क्योंकि वह अगर अच्छे मूड में नहीं होता था तो दूसरों से हंसमुख होकर बात नहीं करता था।

किसी विशेष आग्रह का इंतजार न करते हुए उसने कहा "मैं पेटियों को सामान्यतया रखी जाने वाली जगह में रख देती हूँ"।

"हाँ, ठीक है" उसने जवाब दिया। "तुम आगे कहाँ जाने वाली हो? "क्या तुम थोड़े समय के लिए यहीं रुकोगी?"

जरूरत से ज्यादा इस जगह पर रुकने का विचार उसके मन को अच्छा नहीं लगा। "निर्भर करता है कि यहाँ करने को कोई काम है जो तुम मुझसे कराना चाहत हो" उसने उत्तर दिया। "मैं सोच रहा था कि शायद मुख्य प्रभारी को कोई काम करवाना हो"। उस जगह से निकटतम पोर्ट तीन दिन की उड़ान जितना दूर था, इसलिए दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर कोई कमाई करवाने वाला काम मिलना उसके लिए बेहतर था।

"तुम जब सारा सामान उतार लोगो तब हम उससे जाकर मिल सकते हैं," वह बोला। उसे अपने वाहन से माल की खेप से स्टील की पेटियाँ उतार कर दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के भण्डार-गृह में रखने में कुछ घंटों का समय लगा। हरेक पेटी के साइड में एक डिजिटल माल-सूची होती थी जिसमें लिखा होता था कि उस पेटी के भीतर क्या है, लेकिन केट ने किसी भी सूची को नहीं पढ़ा क्योंकि उन पेटियों में संभवतः या तो भोज्य पदार्थ या व्यक्तिगत जरूरत की चीज़ें थीं। अगर किसी पेटी में कोई रोचक चीज़ होती भी थी तो वह बात मुश्किल से ही कभी उसकी माल-सूची में दर्शायी जाती थी।

पेटियाँ उतारने का काम पूरा हो जाने के बाद केट जॉनी के पास गई और बोली "मैं मुख्य प्रभारी से मिलने के लिए तैयार हूँ"।

"ठीक है" उसने कहा "चलो चलते हैं।"

वे उस विचरण-मार्ग से गुजर रहे थे जहाँ कभी एक खूबसूरत शॉपिंग मॉल थी जब वह स्थान अत्यंत ही रोमांचकारी हुआ करता था।

"वो क्या था?" केट ने पूछा।

"मुझे नहीं पता" उसने जवाब दिया "लेकिन वह अच्छा नहीं हो सकता"।

तभी अचानक से पूरा स्टेशन एक पल के लिए थरथरा उठा, इस बार थरथराहट और ज्यादा तीव्र थी और वे दोनों नीचे गिरते- गिरते बचे।।

वह दौड़ने लगा और बोला "हमें शीघ्र ही मुख्य अवलोकन डेक पर पहुँचना होगा"।

"बहुत बढ़िया" केट उसके पीछे-पीछे दौड़ती हुई बड़बड़ाई। वह आशा कर रही थी कि जो कुछ भी हो रहा था वो उतनी देर के लिए थम जाए जितनी देर में उसे उसके पैसे मिल जाएं और वह अपना यान उस क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाल सके।

अध्याय 2

मुख्य प्रभारी भी उस मुख्य अवलोकन डेक पर उसी समय पहुँचा जब केट और जॉनी वहाँ पहुँचे।

"ये अभी-अभी क्या हुआ था?" मुख्य प्रभारी ने पूछा। वह एक लंबा चौड़ा भूतपूर्व सैन्य अधिकारी था जो संकटकाल में सैन्य-दल प्रणाली के अंदाज़ में आ जाता था और इसे निश्चय ही एक संकटकाल माना गया था।

"श्रीमान जी, मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा। हमने बे एसएस से आ रहा सारा इनकमिंग डाटा खो दिया है जिसमें यंत्रों का अध्ययन डाटा भी शामिल है" विज्ञान अधिकारी डैरल ने जवाब दिया। "स्पेस स्टेशन का ढाँचा अभी भी सुरक्षित है, बाहर से कुछ भी नज़र नहीं आ रहा है"।

"सिग्नल बंद होने से पहले अध्ययन डाटा क्या थे?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"वे पैमाने से बाहर थे, चार्ट्स पर आए ही नहीं" डैरल ने जवाब दिया।

"हमारे पास जो है उसका बैक अप ले लो और उसे केन्द्रीय कमान को भेज दो, और फिर, इससे पहले कि हम सब कुछ खो दें, हमने जब इनकमिंग डाटा खोया उसके पहले के अंतिम एक मिनट की रिकार्डिंग्स जो हमारे पास हैं उनको निकालो"। मुख्य प्रभारी ने आदेश दिया।

डैरल मुख्य प्रभारी के आदेश का पालन करने लगा और उसकी अंगुलियाँ कंट्रोल पैनल पर दौड़ने लगीं। एक बार जब यह पुष्टि हो गई कि ये अंतिम मिनट में मिला डाटा ही है, उसने उसे चलाया।

अवलोकन स्क्रीन के जिस बड़े हिस्से से पहले अंतरिक्ष दिख रहा था, वहाँ अब कुछ वीडियो फीड्स नज़र आने लगे थे जिनमें बे एसएस के भीतर वह विलक्षणता साफ नज़र आ रही थी। स्क्रीन पर साफ दिख रहे प्रकाश मण्डल, अवरोध के ठीक मध्य स्थल, से निरंतर रंग-बिरंगी रोशनी निकल रही थी।

जैसे-जैसे वीडियो पर समय बढ़ रहा था, वह प्रकाश और ज्यादा तीव्र तथा कंपायमान होने लगा।

मुख्य प्रभारी ने पूछा "उपकरण इस समय क्या दर्शा रहे हैं?"

"ऊर्जा स्तर थोड़ा बढ़ गया है" डैरल ने जवाब दिया।

जैसे-जैसे वीडियो आगे चलता गया प्रकाश की तीव्रता और कंपन्नता बढ़ने लगी। "इस बिन्दु पर ऊर्जा का स्तर सामान्य माने जाने वाले स्तर से अधिक दिख रहा है" डैरल ने टिप्पणी की। अब वीडियो फीड के खत्म होने में केवल दस सैकण्ड्स ही शेष थे।

"अधिकांश उपकरण अपनी अधिकतम क्षमता के निकट पहुँच रहे हैं," डैरल ने बताया।

उस कंपन्नता कि गहनता और बारंबारता निरंतर और ज्यादा बढ़ रही थी।

"अब सारे उपकरण अपनी अधिकतम क्षमता पर पहुँच चुके हैं" उसने आगे बताया। तभी, अचानक से स्क्रीन पर जबर्दस्त रोशनी चमकी, स्क्रीन पर चल रहा दृश्य लुप्त हो गया।

"अब वहाँ क्या स्थिति है?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"मैं यह पता लगाने में असमर्थ हूँ कि उस विलक्षणता ने हमारे उपकरणों को नष्ट कर दिया या उन पर क्षमता से ज्यादा भार डाल दिया" डैरल ने बताया। दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर लगे संवेदक (सैंसर्स) दिखा रहे थे कि ऊर्जा स्तर कम हो गया है और विस्फोट के कोई चिह्न नज़र नहीं आए हैं। स्थिति का सही आकलन करने के लिए, मुझे बे एसएस पर जाकर निकट से जाँच करनी होगी।

मुख्य प्रभारी को यह सुझाव पसंद नहीं आया, और केट को यह बात उसके अन्यथा तटस्थ रहने वाले मुख पर आसानी से दिख रही थी। वे लोग एक नई परिस्थिति का सामना कर रहे थे क्योंकि वह विलक्षणता सदियों से निष्क्रिय थी, इसलिए वह विलक्षणता आगे क्या करेगी इस बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता था।

"अगले एक घंटे तक उस विलक्षणता का यहीं से जितना हो सके उतना अच्छी तरह से निरीक्षण करते रहो, और फिर हम तय करेंगे कि हम आगे क्या करेंगे" मुख्य प्रभारी ने आदेश दिया। "जब तुम उसके पास खड़े होओगे उस समय अगर इसमें फिर से वैसा ही कंपन्न हुआ जैसा पहले हुआ था, तो तुम कैसे वापस आओगे इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता"।

मुख्य प्रभारी के अपना आदेश समाप्त करते ही, डैरल उछल पड़ा "श्रीमानजी, मुझे ऊर्जा में फिर से अत्यंत बढ़ोतरी की जानकारी मिल रही है"।

तभी एक पारभासी व जगमगाता हुआ प्रकाश पुंज बे एसएस से निकला और उनकी तरफ बढ़ने लगा।

"इसका असर हमारे ऊपर कितनी देर में होगा?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"बीस सैकण्ड से भी कम में, लेकिन जैसे-जैसे यह पास आ रहा है इसकी गहनता में कमी आ रही है" डैरल ने जवाब दिया।

लेकिन क्या ये पर्याप्त अवस्था तक छितरा जायेगा, मुख्य प्रभारी ने सोचा। वह जानता था कि उनके पास उसके आकर टकराने का इंतजार करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है और ये उम्मीद कर रहा था कि उस टक्कर से बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा। उस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर लगे सुरक्षा आवरण अंतरिक्ष से अकस्मात आ जाने वाले मलबे से बड़ी मुश्किल से रक्षा कर पाते थे, और उसकी संचालक शक्ति प्रणाली की कई सालों से उचित देखभाल नहीं हो रही थी और वो प्रणाली मुश्किल से उस दर्शन स्थल को बे एसएस के पास उसकी स्थिति पर बनाए रख पा रही थी। आस-पास में किसी ग्रह के नहीं होने का मतलब था कि अवलोकन एंगल को बराबर अनुकूल बनाए रखने से ज्यादा कुछ करने की ज़रूरत बहुत ही कम पड़ती थी।

"सब लोग, टक्कर के लिए तैयार हो जायें," मुख्य प्रभारी ने निकटतम कंसोल को पकड़ने के लिए आगे बढ़ते हुए कहा।

सब ने कुछ न कुछ पकड़ लिया, केट ने एक हाथ से दरवाज़े के पास लगी रेलिंग को पकड़ लिया और अपना दूसरा हाथ अपने मोबाइल इंटरकॉम की तरफ बढ़ाया।

"एरिअल, सारी प्रणालियों का दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से संपर्क तोड़ दो और सुरक्षा आवरण उठा दो"। उसके पास यह सुनने या जानने का कोई तरीका नहीं था कि उसका आदेश उसके यान के कम्प्यूटर तक पहुँचा है या नहीं क्योंकि अगर कोई जवाब आया भी हो तो उसे सुनने के लिए वहाँ बहुत ज्यादा शोर था।

आखिर में जब वो ऊर्जा पुंज दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से टकराया तो, पिछली बार से भी ज्यादा ज़ोर से टक्कर मारी। दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के आस-पास के अधिकाँश लोग किसी न किसी दशा में नीचे फर्श पर गिर गये। अवलोकन डेक की बत्तियाँ बुझ गईं क्योंकि उस ऊर्जा पुंज से विद्युत प्रणाली ठप्प हो गई थी।

आपातकालीन बत्तियाँ जल जाने के बाद केट ने चारों तरफ देखा, वह इस बात की आभारी थी कि कम से कम आपातकालीन बत्तियों को जलाने वाली प्रणाली अब भी काम कर रही थी। उसे जिज्ञासा हुई कि उसके अपने यान ने इसका सामना कैसे किया होगा। उसने अपना इंटरकॉम काम में लेना शुरू किया, लेकिन उसकी सभी बत्तियाँ बुझ चुकी थीं। वह उम्मीद कर रही थी कि, केवल उसका इंटरकॉम ही उस जोरदार टक्कर से खराब हो गया था।

बे एसएस का नज़ारा अब बदलने लगा था क्योंकि दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) धीरे-धीरे घूमते हुए दूर जा रहा था।

"रिपोर्ट दो!" मुख्य प्रभारी जोर से चिल्लाया।

"ईलैक्ट्रिकल प्रणाली के अधिकाँश हिस्सों ने काम करना बंद कर दिया है" डैरल ने जवाब दिया। "मुझे नहीं पता कि ऐसा उस पर क्षमता से ज्यादा भार पड़ने से हुआ है या उसके कुछ पुर्जें क्षतिग्रस्त हो गये हैं। हमारे पास जितने कार्यदल सदस्य हैं उस आधार पर, यह अनुमान लगाते हुए कि हमारे पास मरम्मत करने वाले कुछ क्रियाशील रोबोट्स हैं, सब कुछ ठीक करने में एक महीने का समय लग सकता है। संचालन शक्ति की प्रणालियाँ पानी में निष्क्रिय पड़ी हैं, और ऐसा लगता है उस ऊर्जा पुंज ने हमें हमारे मूल स्थान से दूर धकेल दिया है"।

"आस-पास के सभी यानों और चौकियों को विपत्ति संकेत भेजो कि हमें तुरंत सहायता की जरूरत है" मुख्य प्रभारी ने आदेश दिया।

"संचार-व्यूह (एरै) काम नहीं कर सहा है" डैरल ने जवाब दिया। "इससे पहले कि हम कोई विस्तृत संचारण कर सकें हमें उसे ठीक करना होगा"।

"ठीक है, उस संचार संदेश को भेजना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, दूसरी प्राथमिकता है संचारण शक्ति प्रणाली को वापस क्रियाशील अवस्था में लाना। क्या तुम पता लगा सकते हो कि उस विलक्षणता में इस समय क्या हो रहा है? क्या इस तरह की

ऊर्जा तरंगों आगे भी हमसे आकर टकरायेंगी?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"हमारे अधिकाँश उपकरणों ने काम करना बंद कर दिया है," डैरल ने कहा, "लेकिन जो एक क्रियाशील है उसमें दिख रहा है...."

उसके बाद की चुप्पी इतनी लंबी थी कि केट से रहा नहीं गया और उसने तत्परता से पूछा "क्या दिख रहा है?"

उसमें दिख रहा है कि अब तक के रेकॉर्ड्स में उस विलक्षणता की ऊर्जा का स्तर सबसे कम है" डैरल ने धीरे से बोलते हुए जवाब दिया, "इतना कम कि मानों लगभग नहीं के बराबर"।

अवलोकन स्क्रीन से बाहर दिख रहे अंतरिक्ष में, नज़र आ रहा था कि उस अवरोध में शायद बदलाव आ रहा है और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह विलुप्त हो रहा था। कुछ मिनटों के लिए लगा कि उन्हें अवरोध के उस पार कुछ दिख रहा था।

डैरल ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "श्रीमान जी, मुझे संचारण मिल रहा है"।

"क्या आस-पास में किसी यान ने पता लगा लिया है कि हम संकट में हैं?" जॉनी ने पूछा।

"नहीं, मेरे स्कैनर्स के अनुसार निकटतम यान भी कुछ दिन की यात्रा की दूरी पर थे," केट ने कहा जबकि सब लोग हैरानी से एक-दूसरे की तरफ देख रहे थे।

एक लंबी निःशब्दता के बाद डैरल ने ऊपर देखा और कहा "ये संचार वहाँ से आ रहे हैं", वह एक अन्य स्पेस स्टेशन की तरफ इशारा कर रहा था जो अब धुँधला सा दिखाई देने लगा था।

अध्याय 3

उन्होंने जिस स्पेस स्टेशन को देखा था उसकी मूल डिजाइन आकाश गंगा के अन्य हिस्सों में स्थित स्पेस स्टेशनों जैसी ही थी, लेकिन उसमें कुछ ऐसे विशेष चिन्ह थे, जो केट ने पहले कभी नहीं देखे थे।

"संचारण में क्या आ रहा है? क्या वे हमसे संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"नहीं, ये एक एसओएस सिग्नल है जो उनके जहाज़ से स्वतः संचारित हो रहा है," डैरल ने कहा। "ऐसा लगता है कि उनको भी हमारी समस्या जैसी कोई समस्या है। अवरोध का ऊर्जा स्तर कम है, लेकिन वह अभी भी विद्यमान है, इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास नहीं है कि कुछ भी उसे पार सकता है, लेकिन हमें मिलने वाले सिग्नलों में से अधिकांश अवरोध में छोटे छेद (होल) से आ रहे हैं जो उद्गम स्थल पर है"।

मुख्य प्रभारी ने कक्ष में चारों तरफ देखा, अभी-अभी जो हुआ था उसे भांपते हुए, अपने चालक दल का मन ही मन निरीक्षण किया कि आगे जो करने की जरूरत है उसमें किसे शामिल किया जा सकता है।

मुख्य प्रभारी ने गहरी साँस ली और कहा "हमें कुछ पोर्टेबल संचार-यंत्रों को लेकर अवरोध के पास जाना होगा और आशा है कि वहाँ जाने पर हम उस स्पेस स्टेशन की पहुँच (रेंज) के दायरे में आ जायेंगे। जॉनी, तुम मेरे साथ आओ, डैरल इस स्टेशन की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है"।

"मुझे क्या करना है?" केट ने पूछा, वह जानती थी कि न केवल संकट के समय सभी यानों का कर्तव्य होता था कि वे एक दूसरे की सहायता करें, बल्कि उसके दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर उपस्थित होने के कारण वह भी प्रावैधिक रूप से मुख्य प्रभारी के आधीन लोगों में शामिल थी।

"मैं चाहता हूँ कि तुम यहाँ रहकर संचार-प्रणाली को वापस क्रियाशील बनाने और नुकसान का आकलन करने में मदद करो" मुख्य प्रभारी ने जवाब दिया। "हाँ लेकिन, तुम पहले अपने यान की जाँच पड़ताल कर सकती हो, लेकिन ध्यान रहे कि उस काम में ज्यादा देर नहीं लगे। हो सकता है हमें यह बात अन्यों तक पहुँचाने और सहायता मांगने के लिए तुमको एक कोरियर के रूप में भेजने की जरूरत हो"।

"जो आज्ञा श्रीमान" केट ने उत्तर दिया। उसने राहत की साँस ली, खासकर ऐसी संकट की स्थिति में मुख्य प्रभारी द्वारा संकट समाप्त होने तक प्रावैधिक रूप से उसका यान अपने आधीन किया जा सकता था। आकाश गंगा की प्रमुख प्रबंध निकाय, केन्द्रीय कमान द्वारा उसे उसके समय के लिए पैसे दिये जाते, लेकिन केट ने स्पेस कोर्प इसलिए छोड़ा था ताकि वो आजादी से अपना काम कर सके, ना कि वापस लौटने के लिए।

वह मुख्य कक्ष से बाहर निकली, उधर दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) का कार्य दल इस

प्रबंधन में लगा था कि मुख्य प्रभारों जो करना चाहता है उसे पूरा करने के लिए वो उधर कैसे जाएंगे।

क्या ये यात्रा जैसी वो चाहती थी वैसी एक सरल वितरण यात्रा नहीं हो सकती थी? आकाश गंगा के एक शांत हिस्से में यह एक बहुत ही उबाने वाला काम था!

केट ने एक बार फिर अपने मोबाइल इंटरकॉम को काम में लेने का प्रयास किया, लेकिन वो अब भी निष्क्रिय था। उसके यान ने उस तूफान का सामना कैसे किया यह जानने के लिए उसे डॉक पर पहुँचने तक प्रतीक्षा करनी होगी।

सौभाग्य से, सारे स्वचालित दरवाज़े अब भी काम करते हुए जान पड़ते थे, इसलिए कुछ फूटी हुई बूतियों और यदा-कदा उठने वाली चिंगारियों के अतिरिक्त, केट की मुख्य कक्ष से डॉक तक की यात्रा घटनारहित रही, उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात थी कि, वह यात्रा जल्दी ही पूरी हो गई।

जब वो प्रवेश कक्ष में पहुँची तो अवलोकन पोर्ट्स में से एक के माध्यम से, अपने यान को देख सकती थी - अच्छा था कि वो अब भी साबुत दिखाई देता था। आशा थी कि, उसके यान की ईलैक्ट्रिकल प्रणाली ने दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की ईलैक्ट्रिकल प्रणाली, की तुलना में तूफान का सामना बेहतर रूप से किया होगा। हालाँकि उसके पास अपने यान की मरम्मत पर खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे नहीं थे, लेकिन उसके यान की प्रणालियाँ दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की प्रणालियों की तुलना में कहीं अधिक आधुनिक थी जिसके केवल कुछ ही कल-पुर्जे अपग्रेड किये जाते थे क्योंकि सालों से अंतरिक्ष में घूम रहे उस स्टेशन को मिलने वाली वित्तीय सहायता में उतार-चढ़ाव होता रहता था।

वो यह जानने के लिए सीधी प्रवेश कक्ष के मुख्य उपकरण (कंसोल) पर गई कि क्या वो स्थानीय संचार-प्रणाली का उपयोग कर सकती है। दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की अन्य प्रणालियों की तरह, वहाँ की संचार-प्रणालियाँ भी क्रियाशील नहीं थीं, लेकिन केट आसानी से असफलता स्वीकारने वालों में से नहीं थी, अकादमी में द्वितीय वर्ष के किसी भी अच्छे कैडेट की भाँति, वह आपातकालीन डॉकिंग नियंत्रण उपकरण पर गई, जो कि एक सरल बैकअप सिस्टम था जिसकी डिजाइन बहुत ही बेसिक थी, उसे इसलिए बनाया गया था कि अगर कभी किसी डॉक पर उतरे यान की संचार-प्रणाली बंद हो जाए तो इस प्रणाली से उसे सहायता मिल सके।

उसने अपने यान को सारे संपर्क तोड़ लेने का जो आदेश दिया था उसकी वजह से शायद वो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से बच गया होगा, लेकिन अगर उसकी संचार-प्रणाली का भी वही हाल हो गया होगा जो कि दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की संचार-प्रणाली का हो गया तब तो संचारण को वापस शुरू कर पाना बहुत ही मुश्किल होगा। अपने मोबाइल इंटरकॉम के बिना अपने यान से संपर्क करने के लिए उसके पास एक ही मार्ग था और वो था डॉकिंग स्टेशन की बैकअप संचार-प्रणाली का उपयोग करना। वो बैकअप प्रणाली व्याख्यान-आधारित थी, इसलिए उसने अपने यान से संपर्क

स्थापित करने के प्रयास में कुछ मूलभूत आदेशों का उपयोग किया।

वह उम्मीद कर रही थी कि उसके यान की समान प्रणाली अब भी क्रियाशील होगी। अन्यथा, उसे डॉकिंग दरवाज़े को बलपूर्वक खोलना पड़ेगा और आशा है कि उसके पीछे शून्यता (वैक्यूम) नहीं होगी।

उसने अपने यान से संपर्क साधने के लिए जरूरत के अंतिम आदेश को टाइप किया और प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा करने लगी। दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की प्रणाली बहुत ही पुरानी थी, इसलिए वो स्वाभाविक रूप से उतनी तीव्र नहीं थी जितनी कि केट को आदत थी, लेकिन ऐसा लग रहा था मानो संपर्क स्थापित होने के लिए अनंत काल तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही हो। अगर कोई संपर्क स्थापित हो सकता था तो।

अंततः, स्क्रीन पर "संपर्क की पुष्टि की जाती है" शब्द उभरे और केट ने अपनी साँस बाहर छोड़ी, उसे पता ही नहीं था कि उसने अपनी साँस रोक रखी थी। उसने फिर वो सारे विभिन्न आदेश टाइप किये जो उसके यान के दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से पुनः जुड़ने के लिए जरूरी थे ताकि वो दोनों तरफ़ के एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) खोल सके।

आखिरकार उसने टाइप करने का सिलसिला खत्म कर लिया और इस काम के ईनाम स्वरूप अभी भी क्रियाशील रंग बदलते पैनल पर कुछ लाइटें नज़र आने लगी और गलियारे से सुनने लायक घरघराहट चालू हो गई, जो कि उसके यान तक जाने के लिए एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) का दरवाज़ा खुलने की आवाज़ थी।

वो अंदर आ गई।

"एरिअल, क्या तुम्हें मेरी आवाज़ सुनाई दे रही है?" केट ने पूछा, वो यह पता लगाने का प्रयास कर रही थी कि वाणी आदेश प्रणाली अब भी काम कर रही थी या नहीं।

"हाँ कप्तान" जहाज़ के कम्प्यूटर की आवाज़ आई। "क्या तुम्हें चोट लग गई है?" अपने सामान्य विरक्त अंदाज़ में उस आवाज़ ने पूछा।

"मैं ठीक हूँ" केट ने जवाब दिया, परंतु दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की ईलैक्ट्रिक प्रणाली ठीक नहीं है। जहाज़ की क्या स्थिति है?"

कम्प्यूटर मूल्यांकन का काम कर रहा था इसलिए थोड़ी देर की चुप्पी के बाद आवाज़ आई "कुछ छोटी-मोटी प्रणालियों को छोड़कर बाकी सब अभी भी क्रियाशील हैं"।

क्या संचार-प्रणाली पूर्णतया काम कर रही है?" केट ने पूछा।

"सकारात्मक" कम्प्यूटर ने जवाब दिया।

केट आभारी थी कि उसका यान अभी भी साबुत था, लेकिन अधिकाँश प्रणालियों का क्रियाशील अवस्था में होना आश्चर्यजनक था।

"केन्द्रीय कमान को यह बताने के लिए एक विपत्ति संकेत भेजो कि हमने उस विलक्षणता से ऊर्जा का थोड़ा कंपन्न महसूस किया है, दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की

बहुत सी प्रणालियों ने काम करना बंद कर दिया है और वहाँ तुरंत सहायता की ज़रूरत है"। केट एक क्षण के लिए चुप रही फिर आगे बोली, "उन्हें बता दो कि अवरोध के ऊर्जा स्तर में आंशिक कमी आई है और अब दूसरी तरफ एक स्पेस स्टेशन नज़र आ रहा है। हमने दूसरे स्पेस स्टेशन से आपातकालीन संचारण का पता लगाया है, लेकिन उससे अब तक संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है"।

"संदेश भेज दिया गया है" कम्प्यूटर से आवाज आई, "मुझे अब दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के छोटे विमानों में से एक से सिग्नल मिल रहा है। क्या मैं उसे ले लूँ?" उन छोटे विमानों की रचना मूलतया दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से कम दूरी की खोजी यात्रा उड़ानों के लिए की गई थी, लेकिन उस घटना के बाद शेष बचे विमानों को वैज्ञानिक अभियानों में सहायता के लिए विज्ञान व रख-रखाव विमानों में तब्दील कर दिया गया।

"संपर्क के लिए एक संचार लाइन खोल दो" केट ने जवाब दिया।

स्क्रीन पर स्थिर दृश्य से आवाज आई और जहाज़ की खामोशी टूट गई, यह एक स्पष्ट संकेत था कि संपर्क के लिए एक संचार लाइन खुल गई थी।

"अरे, तुमने संदेश भेजने में हमें पीछे छोड़ दिया!" जॉनी की आवाज आई।

"जॉनी इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसने क्या भेजा" मुख्य प्रभारी की आवाज आई, "ये महत्वपूर्ण है कि बस संदेश पहुँच जाए"। केट ने मुख्य प्रभारी द्वारा नापसंदगी जाहिर करने की अपनी प्रसिद्ध सरसरी नज़र से जॉनी को देखने के दृश्य की कल्पना की। "तुम्हारा यान कैसा है?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"अधिकाँश प्रणालियाँ क्रियाशील हैं और मैं बचाव में सहायता करने के लिए वापस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर लौटने के लिए रवाना होने वाली हूँ"। उसने जवाब दिया।

"क्या तुम्हारे स्कैनर्स काम कर रहे हैं?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

केट ने पास ही एक स्क्रीन पर निगाहें डालीं जो सारे सामान्य संकेतों को दर्शाती हुई प्रतीत होती थी। "हाँ" उसने जवाब दिया, "मेरा मानना है कि मेरे यान के रक्षा आवरणों ने अधिकाँश इलेक्ट्रिकल प्रणालियों को सुरक्षित रखा"।

"तो फिर तुम अपने जहाज़ पर ही रहो" मुख्य प्रभारी ने आदेश दिया, "मैं बचाव प्रयासों के संयोजन के लिए डैरल को वहाँ तुम्हारे पास भेज दूँगा"।

वो ऐसा नहीं चाहती थी, एक व्यक्ति जिसे वो पूरी तरह जानती भी नहीं थी उसके यान पर आकर काम करे। यह उसका अपना यान था जिसे पाने के लिए कड़ी मेहनत की थी और यह उसका निजी स्थान था।

"क्या मरम्मत अभियान को दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के भीतर से ही संचालित करना और ज्यादा प्रभावी नहीं होगा?" केट ने पूछा, वो चाहती थी कि एक ज्यादा बहस भी ना हो और उसे जो चाहिए वो भी हो जाये।

"उसके पास काम करने के लिए मुश्किल से ही कोई प्रणाली उपलब्ध है," मुख्य

प्रभारी ने कहा, "और हमें उस विलक्षणता पर निगरानी रखने और अगर कुछ होता है तो तुरंत प्रतिक्रिया कर सकने के लिए तुम्हारे मॉनिटरों की ज़रूरत है"।

"जो आज्ञा श्रीमान" केट ने संकोचित जवाब दिया। वो उसके तर्क के सामने बहस नहीं कर सकती थी, क्योंकि अगर उसे उस विलक्षणता के ऊपर उड़ान भरनी पड़े तो, वो चाहेगी कि कोई भी राहत दल देरी की बजाय जल्दी से उपलब्ध हो।

आगे कुछ और बात हो उससे पहले संचार लाइन काटते हुए मुख्य प्रभारी ने कहा "हम अब बे एसएस की ओर जा रहे हैं"। हालांकि वो मुख्य प्रभारी के अभावनात्मक और व्यवहारिक रवैये को पसंद करती थी, लेकिन किसी के आदेश के अन्तर्गत काम करना उसे अच्छा नहीं लगता था।

वो चलती हुई चबूतरे पर अपनी प्रमुख कुर्सी तक गई, उस पर बैठी और चारों तरफ देखा। वो सोचने लगी कि, डैरल को कहीं बिठाये ताकि उसे (केट को) कम से कम असहजता हो।

जैसी कि उसे अपेक्षा थी, कम्प्यूटर की आवाज आई "कप्तान, दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) के नियंत्रणकारी सिग्नलों को हमारे यान पर मोड़ दिया गया है। आप बतायें कि मैं उन्हें कौनसे कंसोल पर भेजूँ?"

"उन्हें पीछे की तरफ वाले कंसोल पर भेजो और उस कंसोल पर जो होता है उसकी एक प्रति मेरे टर्शरी (केन्द्रीय कक्ष के पास स्थित) कंसोल पर भेजो" उसने जवाब दिया। "एवम्, उस कंसोल से यान के सारे नियंत्रक भी रद्द कर दो"।

वो जानबूझकर डैरल को खुद से जितना हो सके उतना दूर बिठायेगी, लेकिन वो यह सुनिश्चित कर रही थी कि वह जो करे वो उसे भी दिखता रहे। ऐसा नहीं था कि उसे डैरल पर भरोसा नहीं था, लेकिन वो उसे उतना जानती भी तो नहीं थी कि उस पर भरोसा कर सके।

डैरल ने आने के थोड़ी ही देर बाद टिप्पणी की, "अच्छा यान है, मैंने इसे अंदर से पहले कभी नहीं देखा"।

हालांकि वह उस प्रशंसा के लिए आभारी थी, लेकिन वो कुछ सीमायें भी तय करना चाहती थी। "ज्यादा आनंदित मत होओ" केट ने प्रत्युत्तर दिया, "तुम यहाँ उस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) को वापस क्रियाशील बनाने के लिए आए हो और वो काम पूरा होते ही तुम यहाँ से लौटने वाले हो"।

"अरे", डैरल बोला, उसकी आवाज में थोड़ी अप्रसन्नता थी "मैं यहाँ केवल इसलिए आया हूँ क्योंकि मुझे आदेश दिया गया था। मैं जितनी जल्दी उस सामान्य नीरस दिनचर्या में लौट सकूँ, उतना ही अच्छा होगा"।

डैरल की एक बात सही थी, वो सब परिस्थिति के नियंत्रण से बाहर हो जाने के कारण वहाँ थे, लेकिन इसके बाद जीवन सामान्य हो पायेगा या नहीं यह तो समय के साथ ही पता चलेगा।

अध्याय 4

वो उसकी आवाज से परेशान होने लगी थी। वो यह नहीं जानती थी कि ऐसा क्यों हो रहा था, उसके बोलने के अंदाज़ के कारण, जिस तरह से वह उसके कंसोल पर बैठता था उस कारण, उसके डिओडरेंट की महक के कारण या फिर क्योंकि वह उसके न चाहते हुए भी उसके यान पर आ गया था उस कारण। अथवा इन सभी के बातों के कारण।

डैरल, सभी प्रयोजनों और उद्देश्यों के लिए, व्यक्तित्व की दृष्टि से व देखने में, एक खुशनुमा आदमी था, लेकिन केट को अपने मन में, किसी दूसरे का उसकी निजी जगह पर आकर इस तरह से काम करना, अच्छा नहीं लग रहा था, हालांकि वो अधिकांशतः रोबोट्स वाले कार्य-दल को आदेश देते समय उसकी निपुणता और प्रभाविता की कायल थी।

"स्काड तीन मरम्मत करो, मुझे कार्य प्रगति के बारे में अपडेट दो," उसने अपने मोबाइल इंटरकॉम में कहा।

"मुख्य डेक की सभी बत्तियाँ अब पूरी तरह से काम करने लग गई हैं" रोबोट का जवाब आया।

"ठीक है, अब हीटिंग व वेंटिलेशन प्रणालियों पर काम करो और उन प्रणालियों की जाँच करके जब काम पूरा हो जाए तो मुझे बताओ"। डैरल जानता था कि वे प्रणालियाँ अभी काम कर रही हैं लेकिन वो नहीं चाहता था कि वे निष्क्रिय होने लग जायें और उसे पता ही नहीं चले।

उसने अपना इंटरकॉम नीचे रखा और केट की तरफ देखा। "जैसे ही हम मुख्य अवलोकन डेक की प्रणालियाँ पुनः क्रियाशील बनाने में कामयाब हो जायेंगे तब मैं तुरंत यहाँ से चला जाऊँगा," उसने कहा, स्पष्ट था कि उसने जान लिया था कि केट को उसका वहाँ होना पसंद नहीं था। "ऐसा लगता है कि अधिकांश प्रणालियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है, इसलिए हमें आधे दिन से ज्यादा नहीं लगना चाहिए"।

आधा दिन, वह सोचने लगी, अब तक तो उसे अपने अगले पड़ाव पर पहुँच जाना चाहिए था। उसे अतिरिक्त परिश्रम करने में कोई कठिनाई थी लेकिन वो ऐसा अपनी शर्तों पर (इच्छानुसार) करना चाहती थी।

"संचार-व्यूह (एरै) की दो आउटपुट चिपों को बदलना होगा, बाकी प्रणाली ठीक ही लग रही हैं," वह बोली, वो यह नहीं मानना चाहती थी कि उसकी डैरल को वहाँ न आने देने की इच्छा के बारे में डैरल सही था। "क्या तुम्हारे पास स्टेशन में अतिरिक्त आउटपुट चिपें हैं?" उसने पूछा।

उसने स्क्रीन पर कुछ विकल्प सूचियाँ निकालीं और स्टेशन की माल-सूची को खोला। वह सूची स्टेशन पर प्रभारी का गौरव और खुशी थी और उसमें स्टेशन के हर अतिरिक्त यंत्र का ब्यौरा था। उनकी वर्तमान स्थिति में वह सूची अत्यंत उपयोगी थी।

"हाँ, हमारे पास माल में दो चिपें हैं," वह दूसरा आदेश देने के लिए अपना इंटरकॉम उठाते हुए बोला। "स्क्वाड चार" उसने आदेश दिया, "जब तुम विद्युत प्रणाली के कैपेसिटर्स को बदलने का काम पूरा कर लो, माल-कक्ष में जाकर दो पुर्जे लेना और उनको संचार-व्यूह (एरै) में लगाने के लिए ले जाना। मैं अभी तुमको पुर्जा नंबर भेज रहा हूँ"।

वह जिस रोबोट को आदेश दे रहा था उसे संबंधित पुर्जा नंबर भेजने लगा और उसकी अंगुलियाँ स्क्रीन पर थिरकने लगीं।

केट इस बारे में सुनिश्चित नहीं थी कि डैरल स्टेशन के प्रभारी का काम करने का आदि था या नहीं, लेकिन अगर उसे अनुमान लगाना पड़ा तो, वह पक्का जानती थी कि वह प्रभारी का काम करने में सहजता महसूस करने लगा था।

उसका ध्यान उस स्क्रीन की तरफ गया जिसमें बे स्पेस स्टेशन दिख रहा था। वह छोटा विमान स्टेशन पर उतर (डॉक कर) चुका था और वे उस सीमित जानकारी पर निर्भर थे जो मुख्य प्रभारी अपने पोर्टेबल संचार-यंत्र से भेज रहा था। उसने सूचित किया कि स्टेशन के अधिकांश ईलैक्ट्रिक उपकरण खराब हो गये थे, लेकिन वायुमण्डल अक्षुण्ण लग रहा था।

सतर्कता के तौर पर उन दोनों ने दबावयुक्त अंतरिक्ष पोशाक पहन रखी थी। उस स्टेशन की कई सालों से थोड़ी बहुत देखभाल हो रही थी, फिर भी उस प्राचीन स्टेशन के ढाँचे की अखण्डता पर के बारे में आशंका बनी रहती थी।

कभी-कभी रेडियो में मुख्य प्रभारी की आवाज सुनाई देती थी, जो कि दूसरी तरफ के स्पेस स्टेशन से संपर्क करने का प्रयास था।

"मैं बे स्पेस स्टेशन दर्शनस्थान का मुख्य प्रभारी मार्कस डोनोवन बोल रहा हूँ, मैं इस अवरोध के दूसरी तरफ किसी से भी संपर्क करने का प्रयास कर रहा हूँ" संचार-प्रणाली उपकरणों में उसकी आदेशात्मक आवाज सुनाई दी।

उसने कई बार संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन रेडियो पर निःशब्दता बनी रही।

अवरोध पर हाल ही में हुई घटनाओं ने बहुत से प्रश्न खड़े कर दिये थे। क्या कई शताब्दियों के बाद अंततः वो अवरोध शक्तिहीन हो रहा था? उस अवरोध के दूसरी तरफ कौन था और क्या वे मैत्रीपूर्ण बर्ताव वाले होंगे? उन्हें जो स्पेस स्टेशन दिखाई दे रहा था उसमें अभी भी लोग थे, या फिर दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की तरह, वह भी अधिकतर वीरान हो गया था?

"हमें दूसरी तरफ से कोई प्रत्युत्तर नहीं मिला है" मुख्य प्रभारी की आवाज फिर से सुनाई दी। "हमें यह जानने के लिए उस विलक्षणता का निरीक्षण करना होगा कि उसमें क्या हो रहा है और क्या हम अपने कैमरों की मरम्मत कर सकते हैं"।

केट ने उन कामों की सूची को देखा जो उसके रोबोट्स (स्क्वाड्स) कर रहे थे। उसने काम करने के आदेश टाइप करके दिये थे, डैरल की तरह मौखिक रूप से नहीं।

उसका कोई भी रोबोट अपने नियत काम को अब से एक घंटा पहले पूरा नहीं कर सकता था, इसका मतलब था कि उसके पास बैठ कर इंतजार करने के अलावा और कोई चारा नहीं था जबकि मुख्य प्रभारी और जॉनी उस विलक्षणता की जाँच कर रहे थे।

उसको इस तरह इंतजार करना अच्छा नहीं लगता था। वो एक जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए अपने यान में कई दिन का समय बिताना ज्यादा पसंद करती थी, और उन दिनों में कम से कम उसे यह तो पता होता था कि वो कहीं पहुँचने वाली है।

नहीं, उसे निश्चय ही इस तरह इंतजार करना पसंद नहीं था।

"अब हम मुख्य कक्ष में प्रवेश कर रहे हैं" मुख्य प्रभारी की आवाज फिर से आई, "जॉनी, तुम उस कैमरे की जाँच करो तब तक मैं निकट से कुछ रीडिंग्स (विश्लेषण) करता हूँ"।

फिर आवाज आनी बंद हो गई, उधर केट सोच रही थी कि जॉनी को कैमरे का कवर उतारकर समस्या का पता लगाने में थोड़ा समय लगेगा, विशेषकर क्योंकि दबावयुक्त पोशाक के कारण हिलना-डुलना सीमित हो जाता था।

"पूरा कैमरा ही नष्ट हो गया है" जॉनी की आवाज आई। हो सकता है कि शायद सारे कैमरे ही इस तरह से नष्ट हो गये हों। हम अपने साथ जो कामचलाऊ कैमरा लाए हैं उसे मैं यहाँ लगा देता हूँ"।

एक बार फिर से, चुप्पी छा गई और केट कल्पना करने लगी कि किस तरह जॉनी अपने थैले में से वो कैमरा बाहर निकाल रहा होगा जिसे वे अपने साथ ले गये थे।

"क्या आपको ये दिख रहा है?" जॉनी ने पूछा।

"मुझे अभी तक कोई संकेत नहीं मिला है" डैरल ने जवाब दिया।

थोड़ी देर फिर चुप्पी छा गई, संभवतया शायद कैमरे की सैटिंग्स में सामंजस्य बिठाया जा रहा होगा, "क्या अब कुछ दिख रहा है?" जॉनी ने पूछा।

"हाँ, अब मुझे कुछ संकेत मिल रहा है," डैरल ने कैमरे का संकेत अपनी स्क्रीन पर लाते हुए कहा।

उस स्क्रीन पर अलग-अलग खानों में आँकड़ों की सूचियों और माल-सूचियों की जगह, अब वो विलक्षणता नजर आने लगी थी। कुछ घंटों पहले जो चीज़ एक चमकता हुआ प्रकाश पुंज था वो अब एक हिलती हुई मंद रोशनी में परिवर्तित हो गई थी जो, कभी-कभी विलुप्त सी हो जाती थी।

"क्या तुम्हें यह सब दिख रहा है?" मुख्य प्रभारी ने पूछा।

"एकदम स्पष्ट, यहाँ तक कि यह मूल फीड से भी बेहतर" डैरल ने जवाब दिया।

"अच्छा, हो सकता है ऐसा होने का एक कारण यह भी हो कि इस कैमरे का लेंस असल में पूर्णतया स्वच्छ है," मुख्य प्रभारी ने टिप्पणी की। स्पष्ट था कि उसकी ये बात जॉनी पर कटाक्ष थी क्योंकि विलक्षणता निगरानी उपकरणों का रखरखाव करना जॉनी

का काम था।

जॉनी चुप रहा।

केट और डैरल को, वे दोनों पुरुष उस विलक्षणता के आस-पास एक छोटे से क्षेत्र में घूमते हुए नज़र आ रहे थे। उस कक्ष में, जो कभी उस असफल वैज्ञानिक परीक्षण का केंद्र था, अब उसके खेदजनक दुष्प्रभाव पर निगरानी रखने के लिए पूरी व्यवस्था की गई थी, उसमें हर तरफ के दृश्य देखने के लिए अवलोकन स्क्रीन्स थीं, लेकिन अवरोध के कारण उस कक्ष का केवल आधा हिस्सा ही काम में लिया जा सकता था। अधिकांश समय एक दर्पण की तरह काम करने वाले उस अवरोध, की एक प्रतिबिंबित-दर्पण के जैसी सामान्य छवि के कारण, उस कक्ष में खड़ा हर व्यक्ति सोचता था कि वहाँ पर दोगुनी जगह उपलब्ध है।

बहरहाल, जो भी हो, उस अवरोध की सतह, कभी एक परावर्तक सतह जैसी दिखती थी तो कभी नहीं तथा हल्की सी अपारदर्शिता युक्त नजर आने लगी थी।

जॉनी प्रकाश पुंज की तरफ बढ़ने लगा, उन्हें वो दोनों पुरुष और उसकी छाया की रुपरेखा दिखने लगी। लेकिन केट को लगा कि उसकी छायाकृति कुछ अलग सी थी।

"एक जानकारी है, श्री मान मुख्य प्रभारी जी" केट ने इंटरकॉम पर बोला, "शायद आपके साथ कोई और भी है"। लेकिन दूसरी तरफ से कोई आवाज नहीं आई और चुप्पी छाई रही, शायद वे दोनों पुरुष उस प्रकाश पुंज के अत्यंत नजदीक थे जहाँ संचारण नहीं पहुँच सकता था।

"तुम किस बारे में बात कर रही हो?" डैरल बोला, "वहाँ पर केवल वे दोनों ही हैं!"

"उनकी छाया की तरफ देखो" उसने जवाब दिया, "तुम्हें क्या दिख रहा है?"

"कुछ खास नहीं, बस अवरोध के प्रकाश के कारण उनकी छायाकृतियाँ और कैमरे पर पड़ती अलग-अलग रंगों की रोशनी दिख रही है," वह बोला।

"अच्छा", केट ने कहा, "तो फिर वहाँ तीन छायाएँ कैसे दिख रही हैं, जबकि व्यक्ति केवल दो ही हैं?!"

डैरल को वास्तविकता समझने में कुछ क्षण लगे, और कुछ-कुछ तब समझ में आया जब, जो दो छायाएँ नजर आ रही थीं उनका हिलना-डुलना जॉनी व मुख्य प्रभारी के हिलने-डुलने से बिल्कुल भी मिलता-जुलता नहीं था।

"इसका मतलब है...." डैरल कहने लगा, उसकी आवाज खिंचने लगी।

"....कि वे छायाएँ नहीं हैं, बल्कि अवरोध के उस पार के लोग हैं!"

तभी केट के कंसोल पर एक अलार्म बज उठा और ठीक उसी समय उसके मॉनीटर पर उस प्रकाश के गोले से निकली चमकती हुई रोशनी नजर आई।

"ये हो क्या रहा है?" डैरल ने घबराते हुए पूछा, क्योंकि वो अपने जाने-पहचाने कंसोल पर नहीं था।

"उस विलक्षणता के ऊर्जा प्रवाह में फिर से क्षणिक परिवर्तन होने लगा है!" केट ने यह

जानने के लिए उपकरणों की रीडिंग्स देखे बिना ही कहा।
उसके बाद कैमरे से मिल रहा संचार फीड रुक गया।

अध्याय 5

"मुख्य प्रभारी जी" डैरल ने इंटरकॉम पर आवाज लगाई।

उस यान के चबूतरे पर स्पष्ट रूपसे तनाव की स्थिति बन गई थी।

"मुख्य प्रभारी जी, क्या आपको मेरे संकेत मिल रहे हैं?" डैरल ने दोहराया।

तभी वीडियो संचारण फीड वापस शुरू हो गये, स्क्रीन से वो प्रकाश थोड़ा-थोड़ा लुप्त होने लगा और धीरे-धीरे सामान्य दीप्ति लौट आई। स्क्रीन पर दिख रहा दृश्य पूर्णतया अनपेक्षित था: अब दिख रहे कक्ष में नजर आ रहा था कि अवरोध के दूसरी तरफ वाली जगह कैसी दिखती थी।

उस पूरे कक्ष का रंग अलग ही था, और उसमें चारों तरफ की दीवारों पर कलाकृतियाँ व साज-सज्जा के सामान थे, अवरोध के इस तरफ की नीरस प्रयोगशाला के वातावरण के एकदम विपरीत।

"क्या तुमको कोई महत्वपूर्ण संकेत मिल रहे हैं?" केट ने, स्पष्ट रूप से विचलित डैरल से पूछा। वो अभी भी यह जानने की कोशिश कर रहा था कि उसे जो दिख रहा था वो क्या था। "डैरल" केट ने और अधिक ऊँची, और ज्यादा आदेशात्मक आवाज में पूछा, "उनके महत्वपूर्ण संकेत क्या हैं?"

यह अहसास होने पर कि उसका काम एक दर्शक से ज्यादा है, डैरल वास्तविकता में लौट आया "हाँ, उन दोनों में जीवित होने के संकेत नजर आ रहे हैं" उसने जवाब दिया, "लेकिन उनकी पोशाक की सील अप्रभाविकता के संकेत दर्शा रही है। अगर उस यान की जीवन रक्षक प्रणाली निष्क्रिय हो गई तो, उनका अंत निश्चित है"।

"वे जिस छोटे विमान में गये थे वो बे स्पेस स्टेशन से अलग हो गया है और अंतरिक्ष में तैर रहा है, पानी में किसी मृत जंतु की तरह"।

सफर के लिए निर्मित उन पुराने विमानों की रचना ऊर्जा तरंगों के नजदीक उड़ान के लायक नहीं है, केट ने अपने मन में सोचा।

"मुझे अभी भी बे स्पेस स्टेशन के बाहर स्थित अवरोध से संचारण मिल रहा है" केट ने कहा "लेकिन वो बहुत ही मंद है। वो तरंग पिछली तरंग की तुलना में कम शक्तिशाली थी, और उसकी लहर हम तक पूरी तरह पहुँची भी नहीं"।

उसके विचार उसके दिमाग में अत्यंत तेज गति से दौड़ रहे थे।

"हमें वहाँ जाकर उनको लाना होगा," केट ने कहा।

"इसकी संभावना कम है, अगर उस चीज़ में फिर से कंपन्न हुआ तो?" डैरल ने जवाब दिया।

"सुनो, मुख्य प्रभारी कार्यरत नहीं है, इस कारण तुम प्रमुख हो गये हो," केट बोली, "अंतरिक्ष कानून के अनुसार यह अभी भी संकट की स्थिति है, मुख्य प्रभारी अचेत हो गया है और उसका मतलब है अब तुम यहाँ के प्रभारी हो। गल्टी या देरी की कोई

संभावना नहीं है, हमें अभी जाना होगा"।

"लेकिन" डैरल हिचकिचाया, उसे नेतृत्व का हाल ही में हुआ अहसास खत्म हो चुका था, "हमें खतरे की जगह से दूर रहने और बैक-अप की प्रतीक्षा करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है"।

"डैरल, अभी जो हो रहा है उस स्थिति में क्या करना चाहिए उस बारे में विवरण-पुस्तिका में कुछ भी नहीं बताया गया है," वो बोली। "उस पुस्तिका में कहीं नहीं लिखा है कि अगर उस विलक्षणता में बदलाव आने लगे तो क्या करना चाहिए और उन लोगों के लिए तो कोई भी निर्देश नहीं है जिन तक किसी भी तरह की सहायता पहुँचने में कुछ दिन का समय लगता हो"।

वो कुछ पलों के लिए चुप हो गई, उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि वो ये सब बातें बोल रही थी।

"अभी इस वक्त केवल हम दो जने एक यान में बैठे हैं और अपने ही लोगों को अचेतावस्था में एक संभावित खतरनाक वातावरण में फँसे देख रहे हैं," वह बोली।

"इस समय, उनके लिए केवल हम दोनो ही सब कुछ हैं"।

क्या हम उनको वापस लाने के लिए कुछ रोबोट्स नहीं भेज सकते?" डैरल ने पूछा।

"हाँ भेज सकते हैं, लेकिन उस चीज़ से उठा हल्का सा कंपन्न भी उन रोबोट्स को नष्ट कर देगा," उसने कहा। "पिछले दो कंपन्नों में दो तरंगें लगभग साथ-साथ ही थीं और फिर बाद में दो और तरंगें उठीं। मेरा मानना है कि अगर हम अभी वहाँ जायें तो, अगला कंपन्न उठने से पहले हम मुख्य प्रभारी और जॉनी को वापस ला सकते हैं"।

"क्या तुम सोचती हो कि हम समय रहते उनको वहाँ से निकाल लेंगे?" डैरल ने पूछा, स्पष्ट था कि वो सुरक्षा नियमों को तोड़ने के बारे में असमंजस में था।

"ऐसा है कि वो काम करने के लिए हम पहले से ही यान में सवार हैं," केट ने कहा।

"इस यान का रक्षा आवरण दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) या छोटे विमानों के रक्षा आवरण से अत्यधिक बेहतर है। मैं यह तो नहीं बता सकती कि अगर हम उस उतर (डॉक) कर जायेंगे तो क्या होगा, लेकिन हमारे लिए यही सर्वोत्तम अवसर है है"।

"और हमारे सिवा उनके पास कोई और है भी नहीं," केट ने, उस वीडियो दृश्य की तरफ इशारा करते हुए कहा, जिसमें अभी भी एक कक्ष में फर्श पर पड़े पाँच शरीर नजर आ रहे थे।

ऐसा लग रहा था कि डैरल को सारी बात समझ में आ रही थी, लेकिन उसे इस बात का असमंजस था कि काम करने का सही तरीका क्या है। फिर, उसने अपने कंसोल में देखा, ऐसा लगा कि किसी बात से उसमें पहले वाला वो नेतृत्व का आभास फिर से जाग उठा है।

"ठीक है," वह बोला, "मैं हमारी योजना का विस्तृत विवरण देता एक संदेश केन्द्रीय कमान को भेज देता हूँ और साथ ही, अगर हमें कुछ हो जाये तो, बैकअप के रूप में

वॉडियो दृश्य को एक प्रति भी भेज देता हूँ।

रिपोर्ट टाइप करने और आवश्यक फाइलें संलग्न करने के लिए उसके हाथ कंसोल पर चलने लगे। उसका संदेश, जैसा कि केट ने देखा, उसके अत्यधिक शब्दों वाले सामान्यतया भेजे जाने वाले संदेशों से ज्यादा संक्षिप्त और सीधे काम की बात कहने वाला था।

"यान को डॉक स्टेशन से अलग करने (अनडॉकिंग) की प्रक्रिया शुरू करो, हम वहाँ जा रहे हैं," वह केट की तरफ देखे बिना बोला, फिर उसने कहा "और मुझे यान की नियंत्रण प्रणाली का विवरण दो ताकि मैं उसका संचालन कर सकूँ।

"अगर हम वहाँ जा रहे हैं तो, हम दोनों को ही यान की प्रणालियों के संचालन की जरूरत होगी।

केट ने सोचा, यह डैरल का नेतृत्व वाला पहलू था। केट एक तरफ से थोड़ी चिंता-मुक्त हो गई कि डैरल ने अपना नेतृत्वकारी पहलू अपना लिया था, लेकिन वो यह भी चाहती थी कि डैरल उसके यान की नियंत्रक प्रणाली का उपयोग नहीं करे और इसलिए वह थोड़ी-थोड़ी चिंतामग्न भी थी।

"माना कि इस समय प्रभारी तुम हो", वह आवश्यक परिवर्तन करते हुए बोली, "लेकिन यह यान मेरा है"।

एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) तक पहुँचने के लिए जिस द्वार से होकर जाना होता था उसके, बंद होने की चरमराहट चबूतरे से सुनी जा सकती थी और डॉकिंग क्लैम्स (वो यंत्र जिनकी सहायता से अंतरिक्ष में यान एक दूसरे से जुड़ते हैं) के अलग होने की आवाज आने लगी और ऐसा होने से कुछ पलों के लिए पूरे यान में हुई झनझनाहट को भी महसूस किया जाने लगा। यान थोड़ी देर के लिए हवा में तैरा और फिर केट ने दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से आगे ले जाने के लिए प्रक्षेपकों को सक्रिय किया।

जब यान वहाँ से ऊँचा उठ गया तब, केट ने यान का रुख तीव्र गति से बे स्पेस स्टेशन की तरफ कर दिया, वहाँ जाने के लिए जरूरत से ज्यादा समय व्यतीत करना उचित नहीं था।

इस स्थिति को लेकर चबूतरे पर प्रचंड तनाव का माहौल था और साथ ही यह भावना भी मन में थी कि वे सही विकल्प अपना रहे हैं या नहीं। कम से कम, उनको ये आशा थी कि उन्होंने सही विकल्प चुना है।

उन्हें उस छोटे विमान के डॉकिंग स्थान पर पहुँचने में ज्यादा समय नहीं लगा जिसमें बैठकर मुख्य प्रभारी और जाँची गये थे, वहाँ का डॉकिंग द्वार अपने आप ही वापस बंद हो चुका था।

केट ने अपने यान को सही जगह पर ले जाकर स्वचालित डॉकिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर दी।

"तो" उसने अपनी कुर्सी से उठते हुए पूछा "उस विलक्षणता तक शीघ्रांतेशीघ्र कैसे पहुँचा जा सकता है?"

"मैं जाकर उनको लाता हूँ तब तक तुम यहीं रहो" वह बोला।

"ऐसी बातों के लिए हमारे पास समय नहीं है" केट ने जवाब दिया, "हमारे लिए एक-एक मिनट कीमती है और तुम उन दोनों को एक साथ, एक ही बार में यहाँ नहीं ला सकते"।

वो समझ गई थी कि वह जानता था कि वो सही बोल रही है, लेकिन डैरल की मान-मर्यादा बनाए रखने के लिए, वो इस तरह आगे बढ़ने लगी मानों उसकी साथ जाने की बात मान ली गई थी।

वो एक लॉकर के सामने रुकी, सुरक्षा सँख्या प्रविष्ट की जिससे उसका दरवाजा खुल गया और केट ने अपनी बंदूक ले ली।

"अरे, तुमको इसकी जरूरत किसलिए है?" डैरल ने पूछा।

उस कक्ष में उन दोनों के अलावा तीन अन्य व्यक्ति भी हैं, और हमें यह मालूम नहीं है कि वे मित्रवत हैं या नहीं," उसने कहा। "अगर हमारी किस्मत अच्छी है, तो वे मित्रवत होंगे, लेकिन मैं कोशिश करती हूँ कि खुद को किस्मत के हवाले नहीं करूँ"।

जब स्पेस स्टेशन और उनके यान के बीच का एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) अच्छी तरह से सील हो गया तो वे दरवाजे पर गये।

केट ने एक अतिरिक्त मोबाइल इंटरकॉम निकाला और बोली: "एरिअल, मैं स्पेस स्टेशन के भीतर जा रही हूँ अगर मैं एक घंटे में वापस न लौटूँ तो वूल्फे प्रक्रिया शुरू कर देना"।

"वूल्फे प्रक्रिया क्या होती है?" डैरल ने पूछा, उसकी जिज्ञासा फूट पड़ी थी।

"मैं तुम्हें बाद में बताऊंगी" केट ने जवाब दिया, वे दोनों स्पेस स्टेशन के भीतर जाने के लिए आगे बढ़ने लगे।

अध्याय 6

केट बे स्पेस स्टेशन पर पहले कभी नहीं गई थी। पर्यटन युग खत्म होने के बाद जीवित लोगों में से बहुत ही कम लोग वहाँ गये थे। विलक्षणता को जाने वाले गलियारे किसी बल खाते साँप की भाँति थे और बहुत ही अच्छी तरह से चिन्हित थे तथा उनमें सूचना पट्टों के अवशेष दिख रहे थे जो, किसी जमाने में, लोगों के वहाँ होकर गुजरते समय प्रकाशमान हो उठते होंगे।

चित्रों के पीछे की बत्तियाँ लंबे समय पूर्व ही खराब हो गई थीं, और किसी ने उनको बदलने के बारे में नहीं सोचा, लेकिन चित्र अब भी शेष थे, जो समय के साथ-साथ थोड़े धुँधले पड़ गये थे।

अंतरिक्ष में, एवम् किसी भी अन्य चीज़ से बहुत दूर होने में यह एक अच्छी बात थी कि, कुछ दशकों तक टिकी रहने वाली चीज़ें सैकड़ों सालों तक टिकी रहती थीं क्योंकि वे प्राकृतिक गुरुत्वाकर्षण, दूषित करने वाले तत्वों या फिर यहाँ तक कि सूर्य की किरणों से भी अछूती रहती थीं।

आकाश गंगा में कुछ ऐसे ग्रह भी थे जिनका सितारा पृथ्वी के सूर्य तथा अन्य सौम्य सितारों की तुलना में अत्यंत तेजस्वी था। सामान्यतया, लोग पृथ्वी का सूर्य मानवों के लिए थोड़ा सा हानिकारक होते हुए भी पृथ्वी पर रहना पसंद करते थे, ऐसा शायद उस ग्रह से एक अज्ञात संबंध के कारण था कि सभी प्रजातियों का आरम्भ मूलतः वहीं से हुआ था।

वे दोनों गलियारे के एक और मोड़ से होकर गुजरे, अन्यथा स्वच्छ रहने वाले उस वातावरण में, उनकी टॉर्च (फ्लैशलाइट्स) की रोशनी में कभी-कभी धूल के कुछ कण नजर आ जाते थे।

"हमें अभी और कितना आगे जाना होगा?" केट ने पूछा, वो इस बात के प्रति जागरूक थी कि उन्हें एक निश्चित समय सीमा में काम करना था।

"हम पहुँचने ही वाले हैं" डैरल ने जवाब दिया, "बस थोड़े से मोड़ और पार करने हैं"।

जो स्टेशन पहले एक विज्ञान केन्द्र था और फिर बाद में एक पर्यटन गंतव्य बन गया उसके नकारात्मक पहलूओं में एक बात यह थी कि पर्यटन संस्थान चाहता था कि लोगों को उस स्टेशन में प्रवेश करने पर लगे कि वे एक भव्य अनुभव का आनंद उठा रहे हैं, इसलिए संस्थान ने विलक्षणता को जाने वाले मार्ग को सुरम्य बनाया और और उस मार्ग में ज्ञानवर्धक तस्वीरें व तथ्य-पत्रों को प्रदर्शित किया।

केट के विचार में वहाँ की सबसे बड़ी नकारात्मक बात ये थी कि उन लोगों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य सभी दरवाजे पूरी तरह से बंद (सील) कर दिये थे कि कहीं कोई छोटा रास्ता (शार्टकट) न निकाल ले।

केट ने मन ही मन निश्चय किया कि वो मुख्य प्रभारी से जरूर इस बारे में बात करेगी कि विलक्षणता तक जाने वाले कुछ सीधे दरवाजों को फिर से खोल दिया जाये। यह मानते

हुए कि, वे अवश्य ही वहाँ बाहर निकल जायेंगे।

"लो हम पहुँच गये", डैरल बोला जब वो दोनों एक विशेष रंगों वाले प्रवेश कक्ष में पहुँचे। अगर वो कक्ष पूरी तरह बत्तियों से प्रकाशमान होता तो शायद और भी अच्छा लगता, लेकिन चूँकि स्पेस स्टेशन की बत्तियाँ अभी लंबे समय तक बंद रहने वाली थीं, केट यह समझने की कोशिश करने लगी कि क्या उसे वो कक्ष उन टॉर्च (फ्लैशलाइट्स) की रोशनी में अच्छा लग रहा है जो वे अपने साथ लाये थे।

वहाँ के दरवाजे, जो कभी एक विज्ञान प्रयोगशाला के मुख्य दरवाजे थे, बिजली चले जाने की स्थिति में स्वतः बंद होने के लिए मशीनी रूप से भार-संतुलित द्वार थे, लेकिन अपने आप बंद हो जाने की उस विशेषता को सदियों पहले निष्क्रिय कर दिया गया था, इसलिए डैरल ने थोड़ी सी कोशिश के बाद उसे खोल लिया और दरवाजे को खुला रखने के लिए द्वार के साइड में लगी कुण्डी बंद कर दी।

कक्ष के भीतर का दृश्य बिल्कुल वैसा ही था जैसा उन दोनों ने मॉनीटर की स्क्रीन पर देखा था, कक्ष के उनकी तरफ वाले हिस्से में दो अचेत शरीर पड़े थे, दूसरी तरफ तीन अन्य अचेत शरीर पड़े थे और बीच में थी, बहुत ही कम प्रकाशयुक्त विलक्षणता जिसमें कंपन्न हो रहा था।

हालांकि स्टेशन के बाकी हिस्से में बहुत ज्यादा धूल नहीं थी, लेकिन फिर भी इस कमरे में थोड़ा-थोड़ा धूआँ छाया हुआ था, इतना कम कि वातावरण नियंत्रकों के वायु निस्पादक (फिल्टर) उसे कुछ ही मिनटों में खाली कर सकते थे, लेकिन स्पष्ट था कि वे भी अब काम नहीं कर रहे थे।

वे दोनों सतर्कता पूर्वक कक्ष में घूमने लगे, वे नहीं जानते थे कि फर्श पर क्या चीज़ पड़ी हुई हो सकती है।

"क्या वो अवरोध अब भी इस कक्ष में विद्यमान है?" केट ने पूछा।

"मुझे नहीं पता, वो दिख तो नहीं रहा है, लेकिन पता करने का केवल एक ही तरीका है कि उस पर कोई चीज़ फेंकी जाए" डैरल ने जवाब दिया।

"हमें जितनी जरूरत है उससे ज्यादा उसमें व्यवधान डालने की जरूरत नहीं है", केट बोली। उसे उससे ज्यादा जानने की परवाह नहीं थी जितना उन लोगों को पहले से मालूम था, वो केवल बचाव कार्य के लिए वहाँ गई थी।

"चलो उन दोनों को लेकर शीघ्रातिशीघ्र यहाँ से निकल जाते हैं", उसने कहा।

वे दोनों अपने अचेत सहकर्मियों की तरफ बढ़ने लगे और केट की बात पर हाँ भरते हुए डैरल बोला "मैं सहमत हूँ"।

पहले उन्होंने उन दो अचेत पुरुषों को होश में लाने की कोशिश करी लेकिन असफल रहे।

"हमें इनको घसीट कर ले जाना होगा," केट ने कहा।

"मुख्य प्रभारी को सात फुट लंबा ही क्यों होना था?!" डैरल ने टिप्पणी की, वो स्पष्टतया

मुख्य प्रभारी के छः फुट से भी लंबे हृष्ट-पुष्ट शरीर के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर बोल रहा था।

केट इस बात से सहमत थी पर चुप रही, हालांकि जॉनी छः फीट से थोड़ा कम लंबा था, लेकिन फिर भी उसका कद केट के कद से लगभग एक फुट ज्यादा था। यद्यपि जानी का शरीर मुख्य प्रभारी के शरीर से दुबला था, लेकिन इस काम को करने से निश्चय ही केट और डैरल दोनों के शारीरिक बल की परीक्षा होने वाली थी।

जैसे ही वे दोनों अपने हिस्से के मानव भार को ले जाने के लिए सही स्थिति में लाने लगे, उन्हें दरवाजा खुलने की आवाज सुनाई दी। "कोई आ रहा है," डैरल ने कहा।

"ऐसा हो ही नहीं सकता," केट बोली "स्टेशन के इस तरफ केवल हम ही हैं"।

उन दोनों ने तेजी से अपने पीछे की तरफ मुड़कर देखा लेकिन उन्हें दरवाजे पर कोई हलचल नजर नहीं आई। दरवाजा खुलने की आवाज अब भी आ रही थी यह अहसास होने पर, उन्होंने कमरे में दूसरी तरफ देखा तो पता चला कि वे गलत दरवाजे की ओर देख रहे थे।

"यहाँ पर अन्य लोग उपस्थित हैं" कमरे में दूसरी तरफ से एक शुष्क सी आवाज आई जिसकी उच्चारण विधि (एक्सेन्ट) केट के लिए अनजानी थी।

कमरे में दो पुरुष आए, एक ने लाल रोब पहना था और दूसरा श्वेत रोब में था। अगली बात जो केट ने नोटिस की वो ये थी कि लाल रोब वाले पुरुष ने अपनी रोब में से पिस्तौल निकाल ली थी और अब वो उस पिस्तौल को उन दोनों की तरफ तान रहा था। डैरल और केट दोनों छुपने के लिए झुक गये, हरेक ने अपने एक हाथ से अपने बचाव पुरुष को पकड़ रखा था।

केट ने जल्दी से, अपने दायें हाथ से अपनी पिस्तौल निकाल ली, लेकिन वो पिस्तौल उस कवर में लिपटी हुई थी जिसकी सहायता से वो जॉनी को वहाँ से खींच कर बाहर ले जाने वाली थी, इसलिए उसने अपने बायें हाथ से उस पिस्तौल को कवर में से बाहर निकाला।

वो अपने दायें हाथ से उतनी अच्छी तरह से गोली नहीं दाग पाती थी जितनी वो अपने बायें हाथ से दाग लेती थी, लेकिन इस वक्त उसका संपूर्ण आकाशगंगा में सर्वोत्तम गोली दागने वाला व्यक्ति होना जरूरी नहीं था, उसे तो बस सामने वाले पुरुष से बेहतर होने की जरूरत थी।

"फ्रीज़" उसकी आवाज आई।

"तुम क्या चाहते हो?" आड़ में छुपे डैरल ने पूछा, उधर केट एक सामान पेटी के पीछे छुप गई थी, डैरल ने भी अपने दांये हाथ से उस व्यक्ति को पकड़ रखा था जिसे वो घसीट कर सुरक्षित स्थल पर ले जाने की तैयारी कर रहा था।

"हम यहाँ थोड़े बहुत कामों के लिए आए हैं, और हमें कोई मुसीबत नहीं चाहिए" उधर से आवाज आई। "हमें रोकने की अगर कोशिश की तो, मैं तुम दोनों को गोली मार

दूंगा"।

"हम केवल अपने दोस्तों को यहाँ से ले जाने के लिए आए हैं," केट ने कहा। "तुम जो भी ले जाना चाहते हो वो ले जाओ, लेकिन मैं सलाह दूंगी कि उस प्रकाश गोले में वापस कंपन्न हो उससे पहले तुम यहाँ से लौट जाओ"।

उन दोनों पुरुषों के बीच कुछ गुपचुप बातचीत हुई, उनमें से एक की आवाज थोड़ी चकित लग रही थी।

"क्या ये किसी महिला की आवाज है?" उस आवाज ने पूछा, जो कि स्पष्टतया चकित थी।

"अगर हुई तो क्या?" केट ने पूछा।

"मुझे केवल ये जिज्ञासा है कि एक महिला अंतरिक्ष में इतनी दूर बियाबान जगह पर कैसे पहुँच गई," उस आवाज ने कहा "विशेषकर तब जबकि आदेशानुसार उनको इस स्टेशन में पाँव रखने तक की मनाही है"।

"मैं ऐसे किसी आदेश के बारे में नहीं जानती" केट ने जवाब दिया, "लेकिन शायद तुमने ध्यान नहीं दिया, मैं अवरोध के दूसरी तरफ हूँ"।

उन दोनों पुरुषों के बीच थोड़ी और बुदबुदाहट हुई, केट जहाँ थी वहाँ से वो उनकी अधिकाँश बातचीत सुन नहीं पा रही थी। उसने सुना "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं जो काम करने आया था उसे अब भी पूरा करूँगा" उनमें से एक आदमी बोल रहा था।

"ठीक है," उस आदमी ने कहा, "अपने आदमियों को ले जाओ, लेकिन अगर तुमने मुझे रोकने की कोशिश की तो पछताओगे"।

केट ने फर्श से ऊपर उठकर अपनी पिस्तौल वापस रखने से पहले, यह जाँचने के लिए पेटी के पीछे से अपना सर ऊपर उठा कर देखा कि उस व्यक्ति के गोली न मारने के प्रस्ताव के पीछे कोई चाल तो नहीं थी। जॉनी को वहाँ से बाहर ले जाने के लिए उसके दोनों हाथ खाली होना जरूरी था।

उसने रोब पहने उन दोनों व्यक्तियों को देखा, वो उनके बारे में कुछ जानकारी पाने की कोशिश कर रही थी। ऐसा लग रहा था कि श्वेत रोब वाला व्यक्ति उधर वालों में से एक था, लेकिन लाल रोब वाले व्यक्ति में कुछ ऐसा था जो ठीक नहीं लग रहा था, उसने सोचा।

पता चल गया! लाल रोब वाले व्यक्ति की रोब पूरी तरह फिट नहीं थी ऐसा लग रहा था कि मानो उसने उस रोब के भीतर कुछ अन्य वस्त्र पहन रखे हैं जिसका मतलब था कि वो रोब उस पर फिट नहीं हुई होगी। वह अभी तक इस बारे में सुनिश्चित नहीं थी कि इस जानकारी का क्या मतलब निकाले, लेकिन फिर उसने सोचा कि वो शायद उधर वालों में से एक नहीं था और, जितना वो देख सकती थी उस हिसाब से उस तरफ वाले किसी अन्य व्यक्ति के पास हथियार नहीं थे, वो शायद कुछ चुराने के लिए वहाँ आया था।

जब वो और डैरल मुख्य प्रभारी और जॉनों को वहाँ से निकालकर ले जाने को तैयारी फिर से करने लगे तब लाल रोब वाला व्यक्ति जो कुछ भी कर रहा था वो करते समय उसका हुड उतर गया, और एक बहुत ही सुंदर दिखने वाला व्यक्ति नजर आया जिसकी आँखें गहरे भूरे रंग की थीं, शायद कुछ दिनों से दाढ़ी न बनाने के कारण दाढ़ी के बाल बढ़े हुए थे और उसके लंबे व गहरे भूरे रंग के बाल पीछे की तरफ बांधे हुए थे। केट ने लंबे बालों वाले पुरुषों को कभी-कभार ही देखा था, विशेषकर अंतरिक्ष में। वो उसकी आँखों की तरफ घूरने लगी जबकि वो इधर-उधर की चीज़ों को देख रहा था। वो ठीक से समझ नहीं पा रही थी, लेकिन उन व्यक्तियों में कुछ अजीब सा था।

तभी, ऐसा लगा जैसे उस अजनबी की आँखें ठहर सी गई हो मानो वो कहीं शून्य में ताक रहा हो और उसे अहसास हो रहा हो कि कोई उसकी तरफ घूर रहा है।

उसी पल केट को एक निराली सी अनुभूति हुई, और उसे लगा जैसे उसके चहरे पर हल्की सी लालिमा छा गई है क्योंकि वो उस अजनबी की तरफ घूरती हुई पकड़ी गई थी। वो एक विचित्र अहसास था, इसलिए नहीं कि वो थोड़ी सी महिला एकल विमान चालकों में से एक थी, वो पुरुषों को एकटक घूरने की आदि थी, बल्कि इसलिए कि उसकी उम्र लगभग तीस साल की हो गई थी, और पिछली बार जब वो इस तरह प्रफुल्लित हुई थी उस बात को एक लंबा अर्सा बीत चुका था।

"तुम आ रही हो क्या?" डैरल ने पूछा, वो दरवाजे तक पहुँच चुका था, स्पष्ट रूप से उसे मुख्य प्रभारी की विशाल काया को संभालने में कठिनाई हो रही थी। उसके द्वारा बोले गये इन शब्दों ने उन दोनों की मंत्र-मुग्ध टकटकी को भंग कर दिया। डैरल जब बोला तो केट को अहसास हुआ कि वो कमरे के दूसरी तरफ वाले हिस्से में उपस्थित उस व्यक्ति को घूर रही थी। डैरल की आवाज सुनने के बाद, उस अजनबी की आँखें वापस उस काम पर केन्द्रित हो गईं जो वो कर रहा था।

"विलक्षणता से क्या संकेत आ रहे हैं?" केट ने पूछा, वो अपने दिमाग में हिसाब लगा रही थी कि उन दोनों को अपने वज़नदार भारों को उन लंबे सुरम्य गलियारों में घसीट कर ले जाने में कितना समय लगेगा।

"मुझे केवल यह संचारण मिल रहा है कि ऊर्जा स्तरों में थोड़ी सी वृद्धि हुई है," डैरल ने कहा। हो सकता है कि हमें कुछ घंटों का समय मिल जाये और संभव है कि हमारे पास केवल बीस मिनट ही हों।

"हम दस मिनट में यहाँ से बाहर निकल जायेंगे," केट ने कहा, वो हमेशा की तरह प्रतिबद्ध थी।

डैरल मुख्य प्रभारी को लेकर पहले कक्ष से बाहर निकला, लेकिन केट भी ज्यादा पीछे नहीं थी। उसने पीछे मुड़कर कक्ष के दूसरी तरफ उन दोनों पुरुषों पर दृष्टि डाली, ऐसा लग रहा था कि उन दोनों की अपने पैरों के निकट पड़े तीनों अचेत पुरुषों में कोई रुचि नहीं थी क्योंकि वे लोग वो सब ही करते रहे जो वे कर रहे थे।

उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि वे दोनों उन लोगों को ऐसे ही फर्श पर, भाग्य के भरोसे,

छोड़ जायेंगे चाहे वो मृत्यु ही क्यों ना हो। वो जो भी कर रहे थे वो अवश्य ही उस मानव जीवन से ज्यादा कीमती होगा, जिसे आकाश गंगा में अत्यंत महत्वपूर्ण चीजों में से एक माना जाता था।

जब वो जॉनी के अचेत शरीर को दरवाजे से होकर ले जाने लगी, उसने कुण्डी खोल दी जिससे दरवाजा खुल गया। वो अपना भार आगे घसीटती रही और पीछे से दरवाजा धीरे-धीरे बंद हो गया। वो इस बारे में सुनिश्चित नहीं थी कि बंद होता दरवाजा उसे विलक्षणता से उत्पन्न हो सकने वाले किसी विस्फोट या ऊर्जा तरंग से बचा लेगा, लेकिन उसने जान लिया था कि इससे स्थिति अधिक दुष्टर नहीं होगी।

उन दोनों को जितना उन्होंने सोचा था उससे कम समय लगा, ऐसा संभवतः उनके शरीर में सक्रिय अड्रेनलिन (एक ऐसा हारमोन जो तनाव के समय नाड़ी की स्वचालित क्रियाशीलता को संतुलित रखता है) की सक्रियता के कारण हुआ और शायद इसलिए क्योंकि उन दोनों का दिमाग मांसपेशियों पर पड़ रहे जोर पर ध्यान न देकर अभी जो हुआ था उसके बारे में सोच रहा था।

दोनों में से कोई भी कुछ नहीं बोल रहा था, इसलिए अपने कदमों की आहट के अलावा उनको केवल अचेत शरीरों के फर्श पर घसीटे जाने से शरीरों के फिसलने के कारण उत्पन्न ध्वनि सुनाई दे रही थी और साथ ही फर्श की प्लेटों पर उनके आगे बढ़ने से यदा-कदा उत्पन्न धम्म की ध्वनि भी सुनाई पड़ जाती थी।

अंततः वे दोनों केट के यान के एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) तक पहुँच गये।

वे जल्दी से दोनों अचेत पुरुषों को यान में ले गए और अपनी सीटों पर बैठने से पहले उन दोनों को उनकी सीटों पर बांध दिया।

"स्टेशन से अलग हो रहे हैं," केट ने डैरल को सूचना (अपडेट) देते हुए कहा।

और डॉकिंग स्थान से अलग होते एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) की परिचित व अब राहत देने वाली ध्वनि सुनाई दी, उसके बाद डॉकिंग क्लैम्प्स (वो यंत्र जिनकी सहायता से अंतरिक्ष में यान एक दूसरे से जुड़ते हैं) के अलग होने की हर्षित करने वाली ध्वनि सुनाई दी।

वह यान बे स्पेस स्टेशन से शीघ्र ही दूर जाने लगा और अधिकतम गति से दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) की तरफ लौटने लगा।

"मुझे विलक्षणता के ऊर्जा स्तर में ज्यादा बढ़ोतरी के संकेत नहीं मिल रहे हैं" डैरल ने सूचित किया, "इसलिए अब हमें कोई खतरा नहीं होना चाहिए"।

"मैं हमें तभी सुरक्षित समझूंगी जब हम वापस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर पहुँच जायेंगे," केट ने कहा, वो अपने यान के मार्ग पर सतर्कता से निगाहें बनाये हुए थी। यह यात्रा केट की पसंद के अनुसार पर्याप्त शीघ्रता से समाप्त नहीं हो सकती थी।

अध्याय 7

केट का पूरा ध्यान लगातार चालक नियंत्रकों पर ही केन्द्रित था, उसकी आँखें निरंतर प्रक्षेप पथ, गति च आगमन समय पर लगी हुई थीं।

इस प्रकार की परिस्थितियों में, उसका ध्यान उड़ान पर केन्द्रित रहना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण था क्योंकि पूर्व में समान परिस्थितियों में उड़ान भर रहे बहुत से यानों के चालकों ने अपने यान को खतरनाक स्थितियों से तो बाहर निकाल लिया किंतु वे आसानी से टाली जा सकने वाली चीज़ों से टकरा गये थे जिससे उनके यान में छेद हो गये थे।

केट का ध्यान यान उड़ाने में था, डैरल ने स्टेशन पर उपलब्ध चिकित्सीय सहायक से समन्वय करके उसे डॉकिंग (उतरने के) स्थान पर मिलने के लिए कहा और साथ ही मरम्मत स्क्राड्स को विभिन्न तरह के कामों के नवीन आदेश भी दिये, क्योंकि उनमें से कुछ ने स्वयं को सौंपे गये कामों को जब केट व डैरल बे स्पेस स्टेशन में थे तब पूरा कर लिया था।

फिर थोड़ी ही देर में वे वापस दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) पर पहुँच गये और सुरक्षित रूप से डॉक कर लिया (उतर गये)। चिकित्सीय सहायक अपने साथ कुछ स्टैचर्स लेकर आया था, जो शायद एक अच्छी बात थी क्योंकि अब ना तो केट और ना ही डैरल उन दोनों अचेत पुरुषों को घसीटना चाहते थे तथा उन दोनों अचेत पुरुषों की स्थिति उनकी यात्रा के अंतिम चरण की तुलना में अब थोड़ी ज्यादा खराब लग रही थी।

चिकित्सीय सहायक रोबोट ने बताया कि वे दोनों पुरुष बस अचेत थे अन्यथा उनकी सेहत अच्छी थी, इसलिए डैरल और केट ने अपना ध्यान वापस स्टेशन की मरम्मत करने और विलक्षणता में क्या हो रहा था उस पर निगरानी में केन्द्रित कर लिया।

"हमारे वहाँ से रवाना होने के बाद से विलक्षणता में थोड़ा बहुत ही बदलाव आया है" डैरल ने सूचित किया, "और ऐसा लगता है कि वे दोनों पुरुष वहाँ से चले गये हैं। वे उन तीनों अचेत पुरुषों को विलक्षणता कक्ष के फर्श पर ही छोड़ गये हैं"।

केट को ताज्जुब हुआ कि क्या चीज़ इतनी महत्वपूर्ण थी कि उन लोगों ने उन अचेत पुरुषों की सहायता करने की परवाह नहीं की। क्या उन दोनों पुरुषों को उस विलक्षणत के बारे में कोई ऐसी बात मालूम थी जो केट को मालूम नहीं थी? अवरोध के उसकी तरफ वाले हिस्से में, खतरे में फँसे किसी भी मानव को यों पीछे छोड़ देना एक दण्डनीय अपराध था जिस पर कई तरह के दण्ड मिल सकते थे और बहुत ही कम लोग ऐसे दण्ड भुगतने का जोखिम उठाना चाहते थे।

"मरम्मत का काम निर्धारित समय से आगे चल रहा है, और दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) का मुख्य कक्ष अपेक्षानुसार उपयोग के लिए कुछ ही घंटों में तैयार हो जाना चाहिए" डैरल ने आगे सूचित किया।

बहुत अच्छा, केट ने सोचा, वो अपना काम करने के लिए आगे जाने हेतु पहले से

बेहतर स्थिति में होंगे, अगर दो अचेत पुरुषों में से एक को होश आ जाए तो।

स्टेशन पर कर्मचारियों की उपस्थिति से संबंधित विशेष नीति के अन्तर्गत स्पेस स्टेशन पर हर समय दो व्यक्तियों का होना अनिवार्य था, इसीलिए सुदूरवर्ती स्पेस स्टेशनों पर सामान्यतया कम से कम तीन लोग नियुक्त होते थे, अगर किसी एक को कुछ हो जाए तो। इसे अक्सर 'दो वहाँ है, तीसरा अतिरिक्त है' नीति कहा जाता था।

"स्टेसिस कहलाने वाले एक प्रमुख यान से हमें वीडियो कॉल किया जा रहा है," डैरल ने कहा, "वे अवश्य ही अब हमारी रेंज में पहुँच गये होंगे"।

केट ने उस वीडियो कॉल को स्क्रीन पर लाने के लिए नियंत्रक बटन दबाये।

स्क्रीन के मध्य में वर्दी पहने एक वृद्ध पुरुष दिखाई दिया और उसके आस-पास अन्य वर्दी धारी पुरुष अपना-अपना काम करते हुए दिखाई दे रहे थे। स्पष्टतया वो मुख्य प्रभारी के समान ही कोई विशेष श्रेष्ठ व्यक्ति था क्योंकि वो मुख्य प्रभारी के जैसा ही दिखता था और उसका मुख भी उसी तरह सख्त था जो कि कई दशकों तक प्रमुख के पद पर काम करने के बाद ही बन सकता था।

"मैं केन्द्रीय कमान यान स्टेसिस का कप्तान हाज हूँ," उस पुरुष ने कहा, "हम उस विपत्ति संकेत का प्रत्युत्तर दे रहे हैं जो हमें मिला था"।

डैरल, जिसे कि महसूस हो रहा था कि ये बातचीत उसके करने की है, बोला "मैं तत्कालीन मुख्य प्रभारी डैरल वुड हूँ। हमारे मुख्य प्रभारी डोनावन अभी अचेत अवस्था में चिकित्सीय केन्द्र में चिकित्सा अधिकारी स्कॉट के साथ हैं"।

"उनकी स्थिति क्या है?" कप्तान ने पूछा।

"स्थिर, लेकिन यह जानने का कोई वास्तविक तरीका नहीं है कि वे और कितनी देर अचेत रहेंगे" डैरल ने जवाब दिया।

"तुमने बहुत देर पहले जो अंतिम संदेश भेजा था वो हमें मिल गया था, लेकिन उसके बाद क्या हुआ?" कप्तान ने पूछा।

"उस विलक्षणता में फिर से कंपन्न होने के बाद मुख्य प्रभारी तथा विज्ञान अधिकारी दोनों अचेत हो गये" डैरल ने कहना शुरू किया। "मैंने निर्णय लिया कि हमें उनको वापस लाने के लिए वहाँ जाना चाहिए"। डैरल इतना कहकर थोड़ी देर के लिए चुप हो गया, वो अनुमान लगा रहा था कि कप्तान द्वारा इस बात की अस्वीकृति के संकेत वाली कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की जाती है या नहीं।

जब कप्तान ने कुछ भी नहीं कहा तो, डैरल ने अपनी बात आगे जारी रखी। "कप्तान हम उन्हें बे स्पेस स्टेशन से बाहर निकालने में सफल रहे, लेकिन जब हम वहाँ थे तब जो हुआ वो सबसे ज्यादा रुचिकर है।

कप्तान, जो कि इस बात से पूरी तरह अवगत था कि अन्य लोगों को बचाने के लिए संभावित रूप से खतरनाक स्थिति वाली जगह पर जाकर और दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) को खाली छोड़कर डैरल और केट ने नियम प्रणाली को तोड़ा है, क्षण

भर को चुप्पी के बाद बोला "और वो क्या है, श्रीमान?"

"हम कक्ष के दूसरी तरफ अवरोध के उस पार देख सकते थे," डैरल बोला, और प्रतिक्रिया जानने के लिए चुप हो गया। "उस कक्ष में दूसरी तरफ लोग उपस्थित थे, तीन अचेत और दो चेतन अवस्था में"।

ये बात सामने आते ही कप्तान की आँखें चौड़ी हो गईं। "टिक कर बैठे रहो और स्टेशन की मरम्मत का काम जारी रखो, हमारे पास दो दिन से भी कम का समय है," कप्तान ने कहा। "परिस्थितियों को देखते हुए, मैं केन्द्रीय कमान को सजग कर दूँगा कि उनको यहाँ पर बहुत बड़ कार्य-दल (टास्क फोर्स) भेजना चाहिए"।

"मैं यह भी चाहता हूँ कि जो भी हुआ उसकी एक विस्तृत रिपोर्ट शीघ्रातिशीघ्र मुझे भेजी जाए"।

"और मुझे क्या करना है," केट ने पूछा, उसे उम्मीद थी कि अन्य लोगों में से किसी एक को होश आते ही उसे वहाँ से चले जाने की अनुमति मिल जानी चाहिए।

"तुम कौन हो?" कप्तान ने पूछा।

"मैं मर्चेन्ट कप्तान केट डॉबेक हूँ," उसने कहा। "मैं यहाँ अपना डिलीवरी (सामान पहुँचाने) का काम करने आई थी और मुझे विपत्ति के दौरान सहायता कार्य करने के लिए कह दिया गया"।

"तुमने जो भी सहायता की है उसके लिए मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ," कप्तान ने कहा "लेकिन मुझे कहना पड़ रहा है कि तुम्हें यहाँ तब तक रहना होगा जब तक कि हमें तुमसे भली-भाँति प्रश्न पूछकर जानकारी हासिल करने के लिए समय नहीं मिलता। अवश्य ही, तुम्हें इस काम के लिए पैसे मिलेंगे और तुम्हारे यान को या यान के कल-पुर्जों को हुई हानि की भरपाई की जायेगी"।

"जो आज्ञा श्रीमान"। वो इससे बेहतर की उम्मीद नहीं कर सकती थी। आत्मनिर्भर विमान चालक होने का केवल इतना ही फायदा था कि तुम यह निर्णय ले सकते हो कि तुम्हें कहाँ जाना है, लेकिन जरूरत पड़ने पर तुमसे सहायता की अपेक्षा होती थी।

इसमें एकमात्र अच्छी बात ये थी कि, सहायता कार्यों के समय जिन लोगों के साथ आपको काम करना होता था उनके साथ अगर आपकी अच्छी निभ जाती थी तो, आपको अपने काम के लिए सामान्यतया पैसे अच्छे मिल जाते थे।

वीडियो कॉल समाप्त हो गया, और डैरल कप्तान को वो सूचनायें भेजने लगा जो उसके पास थीं। केट ने घटनाक्रम के बारे में अपनी एक संक्षिप्त रिपोर्ट अलग से तैयार की, यह सोच कर कि अगर उनको लगे कि उस घटना का उसका अनुभव पढ़ने लायक है तो वो रिपोर्ट उपयोगी रहेगी। साधारणतरया, एक सामान्यजन द्वारा आँखों देखा हाल बताने वाली रिपोर्ट को पढ़ना वैकल्पिक होता था और उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन उसको न जाने क्यों यह अहसास हुआ कि उसकी इस रिपोर्ट को बहुत सारे लोग पढ़ेंगे।

उपसंहार

मुख्य प्रभारी व जॉनी घटना के लगभग आधे दिन बाद पास होश में आ गये और उनमें किसी गहरी चोट के कोई संकेत नहीं दिख रहे थे।

वीडियो मॉनीटर पर, उनको दिख रहा था कि विलक्षणता वाले कक्ष में अन्य तीन अचेत लोग भी वापस होश में आ गये थे, लेकिन विलक्षणता से उत्पन्न ऊर्जात्मक बाधा के कारण वे लोग वहाँ कही जा रही बातों को सुन नहीं पा रहे थे।

केन्द्रीय कमान यान स्टेसिस वहाँ पहुँच गया, और दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) में गतिविधियों में अचानक से तेजी आ गई क्योंकि अब मरम्मत दलों की संख्या कई गुना बढ़ गई थी। पता चला कि हाल ही के घटनाक्रमों के कारण लोग बे स्पेस स्टेशन में फिर से रुचि लेने लगे थे, और साथ ही, उस पुराने हो रहे अंतरिक्ष स्टेशन को आर्थिक सहायता भी निरंतर मिल रही थी।

केट से जब उस घटनाक्रम और जो हुआ था उसके बारे में भली-भाँति पूछताछ कर ली गई तो, उसे जाने की आज्ञा दे दी गई और बचाव कार्य में उसकी भागीदारी के लिए उसे खूब सारे पैसों का भुगतान भी किया गया, हालांकि मुख्य प्रभारी और जॉनी आवश्यक रूप से किसी वास्तविक खतरे में नहीं पड़े थे तो भी।

ये पैसे उसके यान की उन चीज़ों को बेहतर बनाने के काम आयेंगे जिनमें सुधार के काम को वो टालती आ रही थी।

उसको पृथ्वी पर एक पैकेट की डिलीवरी का काम दिया गया था। वो एक बहुत ही आसान काम था और सामान भी केवल एक ब्रीफकेस जितना ही बड़ा था, जो उन अन्य सामानों से छोटा था जिनसे उसके यान का माल ढुलाई हिस्सा (कार्गो बे) क्षमता से ज्यादा भर जाया करता था। केन्द्रीय कमान ने उस कंपन से पहले के कुछ महीनों के संपूर्ण डाटा, जो कि विलक्षणता से संचारित हुआ था, के विवरण की एक प्रति मांगी थी। भेजे जाने वाले डाटा (ऑकड़ों) का अंतरिक्ष में इतनी दूर से सही-सही संचारण करने में बहुत समय लगता, इसलिए केट को वो काम मिला जिसके लिए वो हमेशा से इच्छुक थी और जिसे करने के लिए वो इस ऑब्ज़र्वेटरी स्टेशन से जाना चाहती थी, एक ऐसा काम जिसे करने के लिए उसे आबादी वाली जगह पर लौटना था और पैसे भी मिल रहे थे।

केट अपने यान को बाहर ले जाने से पहले की औपचारिकता पूरी कर रही थी तभी उसकी नजर वहाँ आने वाले यान घोषणा-पत्र पर पड़ी, वो सूची सामान्यतया लगभग खाली रहती थी लेकिन अब उसमें केन्द्रीय कमान के महत्वपूर्ण अधिकारियों, के अलावा बहुत सारे निर्माण व सहायता यानों के भी नाम थे।

वे अब विलक्षणता के मामले में जो कुछ भी करने की योजना बना रहे थे, वो एक बहुत बड़ी योजना होगी, उसने सोचा।

"अरे" उसके पीछे से आवाज आई, "क्या तुम अभी जा रही हो?" वो जॉनी था, वह

सामान्यतया जितना बोलता था, बचाव काय के बाद उससे कम बोलने लगा था।

"हाँ, यह सामान अपने आप तो वहाँ नहीं पहुँचेगा" केट ने जवाब दिया।

"बात ये है कि," उसने कहा, स्पष्ट था कि वो जो बोलना चाहता था उस पर विचार कर रहा था, "मैं तुमको फिर एक बार धन्यवाद देना चाहता हूँ मुख्य प्रभारी और मुझे लेने आने के लिए"।

"मैंने आदेशानुसार काम किया था" वो नखरे से बोली।

"डैरल ने मुझे बताया कि तुमने क्या किया," जॉनी बोला, "और और उन आदेशों को अस्वीकार करना भी तुम्हारे अधिकारों में ही आता"।

केट ने अपने यान के एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) की तरफ बढ़ते हुए कंधे उचकाए।

"क्या तुम यहाँ जल्दी ही वापस आओगी?" जॉनी ने पूछा

"निर्भर करेगा कि मेरे किराये का शुल्क मुझे कहाँ ले जाता है" उसने जवाब दिया।

"ठीक है," वो कुछ पल रुका फिर बोला "मैं आशा करता हूँ कि तुम्हारा सफर सुरक्षित हो"।

वो जॉनी को पुकारने से पहले एअरलॉक (भीतर वायु दबाव वाले यानों में दबाव बनाये रखने में सहायक यंत्र) से होकर गुजरी और जब द्वार बंद होने लगे तब वो बोली

"जॉनी"। जॉनी रुका और पलट कर उसकी तरफ देखा, द्वार अब पूरा बंद होने ही वाला था और केट बोली "तुम्हारा धन्यवाद"।

आखिरकार वो फिर से अपने यान पर अकेली थी, ठीक वही स्थिति जो उसे पसंद थी।

"एरिअल" उसने आवाज लगाई।

एक परिचित बीप के बाद यान के कम्प्यूटर से "हाँ केट" की आवाज आई।

"अंततः, अब हम यहाँ से जाने के लिए मुक्त हैं"। पृथ्वी तक जाने के मार्ग का नक्शा तैयार करो और वहाँ पहुँचने में कितना समय लगेगा यह अनुमान लगाओ"।

उसके आदेश के बाद चिर-परिचित पुष्टिकारी बीप सुनाई दी, थोड़ी देर बाद आवाज आई "यात्रा का अनुमानित समय: आठ दिन"।

आठ दिन, केट ने सोचा, वो आठ दिन तक करेगी क्या? उसने दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से सीधे पृथ्वी तक पहले कभी भी उड़ान नहीं भरी थी, इसलिए ये एक लंबी अवधि लग रही थी।

"डॉकिंग प्रणालियों का संपर्क विच्छेद (डिसइंगेज) करो और मुझे स्क्रीन पर मार्ग का अवलोकन करवाओ," केट ने कहा।

उसकी एक स्क्रीन पर आकाश गंगा संबंधी नक्शा नजर आने लगा जिसमें वो मार्ग दिख रहा था जो, समस्त गुरुत्वाकर्षण पिंडों तथा क्षुद्रग्रह (एस्टरॉइड) बेल्टों से बचने के लिए, लेना जरूरी था। उसे जो विशेष मार्ग लेने की जरूरत थी उसमें उसे बीच में

कई जगह उतरना था क्योंकि वो जहाँ थी वहाँ से कोई सीधा रास्ता नहीं था।
केट यान को स्वचालन स्थिति में लाने से पहले अपने हाथों से (मैनुअली) चलाते हुए दर्शन-स्थान (ऑब्ज़र्वेटरी) से दूर नक्शे में दिखाई दे रही दिशा में ले गई।
जब हाइपरस्पेस (अंतरिक्ष में यानों के प्रकाश से भी तेज गति से चलने में सहायक) यंत्रों को पर्याप्त ऊर्जा मिलने लगी तो इंजनों के तेजी से घूमने की ध्वनि और भी बढ़ गई। फिर, जब वो ध्वनि घूमने की आवाज से एक संतुलित पिच में बदल गई, तब वो यान नक्शे के अगले मुकाम की तरफ प्रकाश से भी तेज गति से आगे बढ़ने लगा।
पुनः अपने यान में आठ दिनों का एकाकीपन। केट दोबारा से कुछ समय अकेले में बिताने का आनंद उठाने जा रही थी क्योंकि पिछले कुछ दिनों में उसे अपनी पसंद से ज्यादा व्यक्तिगत स्तर पर बातचीत करनी पड़ी थी।
लेकिन यह अगला काम बस एक साधारण डिलीवरी का था, इसलिए ये उसके हाल ही के अनुभव की तुलना में बहुत ही आसान कार्य होगा।